सब का सपना

निष्पक्ष व निडर साप्ताहिक समाचार पत्र

पेज–05

वर्ष–01 अंक–38 अमरोहा उत्तर प्रदेश www.sabkasapna.com सोमवार ● 7 अक्तूबर से 13 अक्तूबर 2024 पेज–08 मूल्य 5 रूपये

जरूर पढ़ें

पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा 2024 के रिजल्ट पर अपडेट

दिल्ली : यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा 2024 के रिजल्ट से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आई है। कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के नतीजे जल्द घोषित होने वाले हैं। इसको लेकर हाल ही में सीएम योगी ने यूपी पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक की और महीने के अंत तक नतीजे जारी करने के आदेश दिए। इसके अलावा सीएम ने रिक्त पदों को लेकर भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया है। सीएम योगी के ऑफिस के एक्स हैंडल पर जानकारी देते हुए लिखा कि पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा का परिणाम इस महीने के अंत तक जारी करने की तैयारी करें। परीक्षाओं की शुचिता को हर हाल में सुनिश्चित किया जाना है। ऐसे में सीएम योगी के निर्देश के बाद अब पुलिस भर्ती बोर्ड कभी भी रिजल्ट जारी कर सकता है।

कृषिमंत्री के इलाके में 2 युवतियो से छेड़छाड़

नई दिल्ली: एक तरफ उत्तर प्रदेश पुलिस सरकार, पुलिस–प्रशासन महिला सुरक्षा को लेकर तरह–तरह के दावे करते हैं लेकिन आए दिन चौंकाने वाली घटनाएं सारे दावों की पोल खोल देते हैं। देवरिया में सरेराह, दिनदहाड़े कक्षा 8 की दो छात्राओं संग छेड़छाड़ की गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया था। पुलिस का दावा था कि आरोपी जल्दी गिरफ्तार होंगे लेकिन अभी तक एक भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। ये उस क्षेत्र का हाल है, जहां का विधायक सरकार में कृषि मंत्री है। देवरिया के तरकुलवा थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव के पास परीक्षा देकर घर आ रही दो छात्राओं से दिनदहाड़े बाइक सवार चार युवकों ने छेड़छाड़ का प्रयास किया।

‘विश्व गुरुके रूप में शिक्षक परंपरा को स्थापित करना चाहता है भारत’

देश के हित के लिए शिक्षा व्यवस्था का बेहतर होगा बहुत जरूरी है : मुख्यमंत्री मोहन यादव

नई दिल्ली, एजेंसियां

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव रविवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन सभागार में आयोजित शिक्षा भूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने सरस्वती वंदना के साथ दीप जलाया और कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

समारोह को संबोधित करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि भारत विश्व गुरु के रूप में शिक्षक परंपरा को स्थापित करना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि देश के हित के लिए शिक्षा व्यवस्था का बेहतर होगा बहुत जरुरी है।

रवीन्द्र भवन, भोपाल में शैक्षिक फाउण्डेशन एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान समारोह में सहभागिता की।

जीवन मूल्यो का विकास

अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सुरेश सोनी ने कहा कि वास्तव में विकास तभी हो सकता जब हमारे आसपास के परिवेश और जीवन मूल्यों का विकास हो। इस दौरान उन्होंने काका कालेलकर के संबोधन को उद्धृत करते हुए कहा कि शिक्षा ने अपने स्वरूप की व्याख्या करती है। शिक्षा न तो सत्ता की दासी है और न ही कानून की किन्करी है।

शिक्षा का आधार गुरुकुल परंपरा

सीएम मोहन यादव ने कहा कि हमारे देश की शिक्षा का आधार गुरुकुल परंपरा रही है। हमेशा से शिक्षक पूज्य थे और पूज्य रहेंगे। भारत विश्व गुरु के रूप में उस शिक्षक परंपरा को स्थापित करना चाहता है, जो गुरुकुल परंपरा चाणक्य से चंद्रगुप्त तक और चंद्रगुप्त से विक्रमादित्य तक हर जगह, हर समय, हर काल में कायम रही है। उन्होंने आगे कहा कि देश के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज के उद्देश्य से शिक्षक समारोह के आयोजन किया जाता है।

जीवन मूल्यों का विकास

अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सुरेश सोनी ने कहा कि वास्तव में विकास तभी हो सकता जब हमारे आसपास के परिवेश और जीवन मूल्यों का विकास हो। इस दौरान उन्होंने काका कालेलकर के संबोधन को उद्धृत करते हुए कहा कि शिक्षा ने अपने स्वरूप की व्याख्या करती है। शिक्षा न तो सत्ता की दासी है और न ही कानून की किन्करी है।

समारोह को संबोधित करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि भारत विश्व गुरुके रूप में शिक्षक परंपरा को स्थापित करना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि देश के हित के लिए शिक्षा व्यवस्था का बेहतर होगा बहुत जरूरी है।

अमेठी हत्याकांड के आरोपी का एनकाउंटर

अमेठी, एजेंसियां

यूपी के अमेठी हत्याकांड का आरोपी चंदन वर्मा का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया।

इस दौरान वह घायल हो गया। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसे बरामदगी के लिए लेकर जा रही थी तभी उसने पिस्टल छीन कर भागने की कोशिश की। तब पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी। घटना मोहनगंज थाना क्षेत्र की है। यूपी एसटीएफ ने शुक्रवार को हत्याकांड के आरोपी चंदन वर्मा को नोएडा के जेवर टोल प्लाजा से अरेस्ट किया था।

बता दें कि अमेठी के शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले शिक्षक सुनील कुमार, पत्नी पूनम, बेटी दृष्टि और एक साल की सुनी की गुरुवार रात को गोली मारकर हत्या करदी। घटना के बाद आरोपी ने खुद को गोली मारने की कोशिश भी की। हत्या के समय आरोपी इतने गुस्से में था कि उसे जो दिखा उसको गोली मारी।

मृतक परिवार ने एक महीने पहले हत्या के आरोपी चंदन के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। जिसमें कहा गया था कि अगर उनके साथ कुछ अनहोनी होती है तो इसके लिए वह जिम्मेदार होगा। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के अनुसार सुनील मुल रूप से रायबरेली जिले के रहने वाले थे।

वह अमेठी के पन्हौना में एक सरकारी स्कूल में तैनात थे। बता दें कि सुनील की पत्नी पूनम 18 अगस्त को रायबरेली में चंदन वर्मा के खिलाफ एससी/ एसटी एक्ट 1989 के तहत छेड़छाड़ और एफआईआर दर्ज करवाई थी।

स्टेट्स में लिखा 5 लोग मरने जा रहे

बता दें कि गिरफ्तारी से पहले आरोपी चंदन वर्मा के व्हाट्सऐप स्टेट्स ने सभी को चौंका दिया। चंदन में स्टेट्स में लिखा थ कि 5 लोग मरने जा रहे है, मैं जल्द आपको दिखाऊंगा। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी खुद भी सुसाइड करना चाहता था। इसलिए उसने 5 लोगों की हत्या की बात स्टेट्स पर लिखी।

डीएम साहब के टेबल पर नकली पानी की बोतल पहुंच गई, हुई गोदामों में छापेमारी

बागपत , एजेंसियां

बागपत में खाद्य विभाग में उस वक्त हड़कंप मच गया। जब डीएम साहब के टेबल पर नकली पानी की बोतल पहुंच गई। नकली पानी की बोतल पर जब जिलाधिकरी की नजर गई तो वह भी हैरान रह गए और अधिकारियों को बुलाकर इसकी सूचना दी। इसके बाद अधिकारियों ने छापेमारी की और 'बिसलेरी' के मिलते जुलते नाम 'बिसल्लेरी, बिसलारी, बिलसेरी' जैसी पानी की बोतल वाली दुकानों और गोदामों में छापेमारी हुई।

डीएम बागपत जितेंद्र प्रताप सिंह की टेबल पर जब नकली पानी की बोतल पहुंची तो उन्होंने तुरंत एफएसडीए की टीम को अपने पास बुलाया और इस पर कार्रवाई करने का आदेश दिया। इसके बाद सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त मानवेन्द्र सिंह और एफएसडीए की टीम ने छापा मारा। इस छापेमारी में नकली पानी की बोतलें बरामद की गई हैं।

बिसलेरी नाम की पानी से मिलते–जुलते नाम वाले 'बिसल्लेरी, बिसलारी, बिलसेरी' ब्रांड की बिक्री करने वालों पर विभाग की तरफ से कार्रवाई की गई और बड़ी मात्रा में पानी की बोलतें जब्त की गईं। बताया गया कि बागपत के गौरीपुर जवाहर नगर गांव में बिना लाइसेंस के एक घर में पानी की बोतलें तैयार हो रही थीं। सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त मानवेन्द्र सिंह ने छापेमारी की और मौके पर जाकर फर्जी बोतल बनाने वालों पर भी कार्रवाई की। सभी बोतलों को खाली जगह पर ले जाकर नष्ट करवाया गया। इसके बाद बोतलों को जमीन में दफन कर दिया गया।

दिवाली–छठ के बाद रेलवे ने रद्द की 18 ट्रेनें

नई दिल्ली, एजेंसियां

दिवाली और छठ पूजा के कारण देश की ज्यादातर ट्रेनों की सीटें फुल हो चुकी हैं। ऐसे में जहां रेलवे एक तरफ स्पेशल ट्रेनें चलाने की तैयारी कर रहा है, तो दूसरी तरफ रेलवे ने 18 ट्रेनों को कैंसिल करने का खाका तैयार कर लिया है। इससे पंजाब, यूपी और बिहार जाने वाले लोगों की परेशानी बढ़ सकती है। रेलवे ने 3 महीने के लिए 18 ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया है। वहीं ट्रेनों को कैंसिल करने की वजह सर्दी और धुंध बताई जा रही है।

कब से कब तक रद्द रहेंगी ट्रेनें ?

यह सभी ट्रेनें 1 दिसंबर से 28 फरवरी तक रद्द रहेंगी। दिसंबर में कड़ाके की सर्दी और घने कोहरे के कारण रेलवे ने यह फैसला लिया है। इस लिस्ट में हरिहरनाथ एक्सप्रेस, ऋषिकेश–जम्मूतवी एक्सप्रेस और नई दिल्ली–जालंधर इंटरसिटी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों के नाम शामिल होंगे।

नई दिल्ली–जालंधन इंटरसिटी कैंसिल

रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एनके झा का कहना है कि भारतीय रेलवे ने जालंधर से नई दिल्ली जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस (14681–82) को भी रद्द करने का फैसला किया है। यह ट्रेन जालंधर से अंबाला होते हुए नई दिल्ली आती है। इस ट्रेन से तकरीबन 500 लोग हर रोज सफर करते हैं। खबरों के अनुसार यह ट्रेन 1 दिसंबर 2024 से 1 फरवरी 2025 तक रद्द रहेगी।इसके अलावा अंबाला कैंट से बरौनी जाने वाली हरिहरनाथ एक्सप्रेस (14523–24) 5 दिसंबर से 27 फरवरी तक कैंसिल कर दी गई है। वहीं लालकुआं–अमृतसर एक्सप्रेस (14615–16) 7 दिसंबर 2024 से 22 फरवरी 2025 तक रद्द रहेगी।

यूपी–बिहार वालों को होगी मुश्किल

हरिहरनाथ एक्सप्रेस कैंसिल होने से यूपी और बिहार जाने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ सकती है। यह ट्रेन हरियाणा के अंबाला कैंट से उत्तर प्रदेश के रास्ते बिहार के मुजफ्फरपुर जंक्शन तक चलती है। इसके अलावा ऋषिकेश–जम्मूतवी एक्सप्रेस की भी काफी मांग रहती है। सर्दियों में ट्रेनों की लेतलतीफी और हादसों के मद्देनजर रेलवे ने इन ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया है।

रेलवे ने 18 ट्रेनों को कैंसिल करने का खाका तैयार कर लिया है। इससे पंजाब, यूपी और बिहार जाने वाले लोगों की परेशानी बढ़ सकती है। रेलवे ने 3 महीने के लिए 18 ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया है। वहीं ट्रेनों को कैंसिल करने की वजह सर्दी और धुंध बताई जा रही है।

मेघालय में कुदरत का कहर : बाढ़–बारिश से लैंडस्लाइड में 10 की मौत, 5 जिलों पर खतरा

मेघालय , एजेंसियां

मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने कई राज्यों को अपनी चपेट में ले रखा है। अब इस लिस्ट में मेघालय का नाम भी शामिल हो चुका है। मेघालय में बाढ़ से हर तरफ हाहाकार मच गया है। वहीं भारी बारिश के चलते भूस्खलन भी देखने को मिला है। खबरों की मानें तो पिछले 24 घंटे के भीतर मेघालय में 10 लोगों की जान चली गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मेघालय की दक्षिणी गारो पहाड़ी पर भयंकर भूस्खलन हुआ है। वहीं गसुआपारा इलाके से भी लैंडस्लाइड की खबर सामने आ रही है। हटियासिया सोंगमा में भूस्खलन के कारण एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई है। भूस्खलन के दौरान एक घर में 3 नाबालिग समेत 7 लोग मौजूद थे। भूस्खलन के बाद सभी लोग घर के अंदर फंस गए और उनकी मौत हो गई।

5 जिलों पर मंडरा रहा खतरा

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा का कहना है कि गारो पहाड़ियों के बीच स्थित 5 जिलों में लगातार बारिश हो रही है। ऐसे में सभी जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इसे लेकर समीक्षा बैठक की गई है। दालू में भूस्खलन के कारण 3 लोगों की मौत हो गई, वहीं हटियासिया सोंगमा में भी 7 लोगों की जान चली गई है।

राज्य के मुख्यमंत्री ने भूस्खलन में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। ठञ्ज्ञ और रञ्ज्ञ का बचाव अभियान जारी है। भूस्खलन से प्रभावित लोगों को मलबे से बाहर निकालने का काम चल रहा है। खबरों की मानें तो शुक्रवार की रात तेज बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। ऐसे में गसुआरपारा इलाके में बना एक पुल अचानक बह गया। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में लकड़ी के पुलों की पहचान करके उनकी जगह पक्के पुल बनाने के आदेश दिए हैं। राज्य में बारिश और बाढ़ का कहर अभी भी जारी है। इसे लेकर जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में लकड़ी के पुलों की पहचान करके उनकी जगह पक्के पुल बनाने के आदेश दिए हैं। राज्य में बारिश और बाढ़ का कहर अभी भी जारी है। इसे लेकर जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है।

क्या कहते हैं पुराने आंकड़े?

हरियाणा और जम्मू कश्मीर में कितने सच होंगे एग्जिट पोल के रुझान ?

नई दिल्ली: एजेंसी

जम्मू कश्मीर और हरियाणा के एग्जिट पोल सामने आने के बाद विपक्षी दलों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है, तो वहीं बीजेपी अभी भी जीत का दावा कर रही है। हालांकि सवाल यह है कि क्या वाकई एग्जिट पोल के रुझान सच साबित होंगे? इसका अंदाजा पिछले एग्जिट पोल्स के ट्रैक रिकॉर्ड से लगाया जा सकता है।

हरियाणा के पिछले दो विधानसभा चुनाव की बात करें तो 2014 में ज्यादातर एग्जिट पोल्स के दावे सच साबित हुए थे। सभी एग्जिट पोल्स में बीजेपी जीतती नजर आ रही थी। वहीं आखिरी नतीजों में भी बीजेपी की जीत हुई। राज्य में बीजेपी को 47 सीटें और कांग्रेस को 15 सीटों पर जीत मिली थी। इसके बाद 2019 के विधानसभा चुनाव में भी एग्जिट पोल्स ने बीजेपी की एकतरफा जीत ऐलान किया था। मगर बीजेपी बहुमत के आंकड़े को छूने में नाकाम रही थी। इस चुनाव में बीजेपी को 40 सीटें मिली थीं और कांग्रेस ने 31 सीटों पर जीत दर्ज की थी। ऐसे में बीजेपी ने 10 सीटें जीतने वाली जेजेपी के साथ गठबंधन की सरकार बनाई थी।

जम्मू कश्मीर में एग्जिट पोल्स का ट्रैक रिकॉर्ड : जम्मू कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हुए हैं। 2014 के बाद 2019 में चुनाव होने वाले थे। मगर इससे पहले ही केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाते हुए जम्मू कश्मीर से राज्य का दर्जा वापस ले लिया था। जम्मू कश्मीर तब से ही एक केंद्रशासित प्रदेश है, जहां पिछले 5 साल से गवर्नर रूल चल रहा है। हालांकि 2014 के विधानसभा चुनाव में आए एग्जिट पोल्स काफी हद तक सच साबित हुए थे। बीजेपी ने 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस दौरान महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी ने 28 सीटें जीतीं थीं और दोनों पार्टियों ने मिलकर राज्य में गठबंधन सरकार बनाई थी।

क्या कहते हैं इस बार के एग्जिट पोल ?

इस बार के एग्जिट पोल्स की बात करें तो हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। वहीं जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन की जीत के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि यह रुझान कितने सही साबित होंगे? इसका जवाब 8 अक्टूबर को नतीजों के साथ साफ हो जाएगा।

भोपाल की एक फैक्ट्री से 1800 करोड़ की एमडी ड्रग्स बरामद की गई

भोपाल, एजेंसियां

गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को बड़ी सफलता हाथ लगी है। भोपाल की एक फैक्ट्री से 1800 करोड़ की एमडी ड्रग्स बरामद की गई है। ज्वाइंट ऑपरेशन में दो लोगों को भी अरेस्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि इसी फैक्ट्री में ये ड्रग्स तैयार की जाती थी। इससे पहले पंजाब से 10 करोड़ की कोकेन बरामद की गई थी। जिसे दुबई और यूके से सप्लाई किया गया था। सिंडीकेट के जरिए टारगेट देकर खेप भारत मंगाई जाती थी। जिसके बाद इसे पंजाब में सप्लाई किया जाता था। दिल्ली पुलिस ने एक तस्कर जितेंद्र उर्फ जस्सी को अरेस्ट किया था। उसकी निशानदेही पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पंजाब के अमृतसर में रेड कर ये कोकेन की खेप पकड़ी थी। इस कोकेन को अमृतसर के

नेपाल नाम के गांव से बरामद किया गया था। जो एक कार में रखी गई थी।

वहीं, दिल्ली में 5600 करोड़ के कोकेन सप्लाई मामले में पुलिस ने अब मास्टरमाइंड वीरेंद्र बसोया के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। आरोपी विदेश में बैठकर भारत में नशे का कारोबार चला रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने महिपालपुर इलाके में रेड की थी। इस दौरान 562 किलोग्राम कोकेन मिला था। 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की खेप भी यहां से पकड़ी गई थी। पुलिस के अनुसार इस मामले में अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी गैंग का हाथ मिला था। बसोया ने ही ये खेप भारत भिजवाई थी। जिसके बाद एक आरोपी तुषार गोयल को भी पुलिस ने अरेस्ट किया है। आरोपी बसोया का खास बताया जा रहा है।

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने भी अपनी टीम की सराहना की है। उन्होंने बताया कि करोड़ों की एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स और उसके कच्चे माल को जब्त किया गया है। ज्वाइंट टीमों ने संयुक्त तौर पर एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। संघवी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस बाबत एक पोस्ट भी की है। उन्होंने कार्रवाई को ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में बड़ी जीत बताया है। उन्होंने कहा कि दोनों टीमों की यह उपलब्धि नशीली दवाओं की तस्करी और दुरुपयोग से निपटने में कारगर साबित होगी।

हिमाद्री सैनी बनी जिलाधिकारी तो आराध्या यादव बनी पुलिस अधीक्षक

- हिमाद्री सैनी जिला अधिकारी बनकर फरियादियों की सुना शिकायत और तहसीलदार नौगांवा को प्रार्थना पत्र सौंप कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने के दिया निर्देश
- नारी सुरक्षा सम्मान स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति 05 सरकार की अहम पहल, अवश्य ही यह लैंगिक असमानता को दूर करने के महत्वपूर्ण सिद्ध होगी — जिलाधिकारी
- लड़कियां किसी भी स्थिति में लड़कों से कम नही ,अच्छी शिक्षा ग्रहण कर देश के विकास और नेतृत्व में करें योगदान— जिलाधिकारी

अमरोहा(सब का सपना): तहसील नौगांवा सादात के नगर पंचायत सभागार में मिशन शक्ति 05 के अंतर्गत महिला सुरक्षा सम्मान स्वावलंबन के दृष्टिगत एक दिन के लिए जिला अधिकारी, पुलिस अधीक्षक और उप जिला अधिकारी छात्राएं बनाई गई। ब्रिलिएंट स्कॉलरशिप पब्लिक स्कूल इंटर कॉलेज की कक्षा 12वीं छात्रा हिमाद्रि सैनी बनी जिला अधिकारी तो जियान इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल कक्षा 11 की छात्रा आराध्या यादव बनी एक दिन की पुलिस अधीक्षक, । इसी प्रकार जियान इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा 12 की छात्रा सृष्टि शर्मा बनी उपजिलाधिकारी नौगांवा सादात । जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने बुकें भेंट करके स्वागत किया ।कुमारी हिमाद्री सैनी जिलाधिकारी बनकर आने वाले फरियादियों की शिकायतों को सुना और तहसीलदार नौगांवा को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराए जाने की निर्देश दिया । इसी प्रकार आराध्या यादव एक दिन की पुलिस अधीक्षक बनकर थाना प्रभारी नौगांवा को प्रार्थना पत्र सौंप कर शीघ्रता से निस्तारण कराए जाने के निर्देश दिया ।जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन शक्ति 05 माननीय मुख्यमंत्री जी की नारी सुरक्षा सम्मान स्वावलंबन की एक अहम पहल है । कहा की देश के आधे हिस्से में लड़कियां निवास करती हैं। लैंगिक असमानता जो देश में व्याप्त है इसको दूर करने के लिए सरकार मिशन शक्ति से संबंधित अनेक योजनाएं चला रही है और जिलों में अनेक कार्यक्रम सरकार के निर्देश के क्रम में किये जा रहे हैं। ताकि व्यक्तियों में लड़की और लड़के के प्रति भेद को खत्म किया जा सके ।जनपद की अन्य भी जो लड़कियां हैं वह इन लड़कियों से प्रेरणा लें और अच्छी शिक्षा ग्रहण कर देश के विकास और नेतृत्व में योगदान दें । यह समझें की वह कहीं पर भी किसी भी स्थिति में लड़कों से कम नहीं है सरकार हमारे साथ हैं। इस अवसर पर परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप जिला प्रोबेशन अधिकारी सहित अन्य अधिकारी व महिला कल्याण विभाग के अधिकारी और कमर्चारी गण मौजूद रहे।

एक नजर

काजल सिंह बनी गजरौला थाना प्रभारी और माही ने संभाली महिला थाने की कमान:मिशन शक्ति

गजरौला (सब का सपना) सौरभ गोस्वामी:—मिशन शक्ति के तहत पुलिस ने नवरात्र में छात्राओं को एक दिन का थानेदार बनाकर उनके भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर करने और उन्हें बराबरी का दर्जा दिए जाने की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठाया। इसके तहत शनिवार को गजरौला में रामसरन दास इंटर कालेज में कक्षा 12 वीं की छात्रा काजल सिंह को गजरौला कोतवाल और ज्ञान भारती इंटर कालेज की छात्रा माही को महिला थानाध्यक्ष बनाया गया। छात्रा काजल सिंह गजरौला थाने में अपने कार्यालय में पहुंचीं तो मंडी धनौरा के सीओ श्वेताभ भास्कर एवं गजरौला इंस्पेक्टर सुधीर कुमार ने बुके देकर उनका अभिनंदन किया।

छात्रा काजल सिंह ने थाना प्रभारी बनकर लोगों की समस्याओं का निस्तारण किया। इसके अलावा पुलिसकर्मियों के साथ बैठकर महिलाओं से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई' गजरौला इंद्रा चौक पहुंच कर चेकिंग अभियान चलाया गया दो पहिया वाहन चलाने वाले वाहन चालकों को निर्देश दिए गए की बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करना चाहिए और कार चलते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें' तेज ध्वनि से चलने वाली बाइक व पटाखा फोड़ने वाली बाइको पर प्रतिबंध लगना चाहिए।

राम—सीता स्वयंवर का हुआ भव्य मंचन

अमरोहा(सब का सपना): द आर्यन्स, जोया में दशहरा पर्व के उपलक्ष्य पर आयोजित रामलीला के दूसरे दिन राम—सीता स्वयंवर तथा परशुराम—लक्ष्मण संवाद प्रसंग का भव्य मंचन हुआ। जिसमें से भिन्न—भिन्न पात्रों जैसे स्वर्णा (राम),तरुश्री (सीता),लावन्या (लक्ष्मण),तन्मय (महर्षि विश्वामित्र), यक्षित (राजा जनक),यक्षि (रानी सुनयना), तुषार (भगवान परशुराम) एवं अन्य राजागण में सिद्धार्थ शर्मा ,गतिक, रूद्र, प्रज्ञान तथा समृद्धि आदि ने सीता स्वयंवर, जनक प्रतिज्ञा, धनुष यज्ञ, पशुराम लक्ष्मण संवाद का सुंदर चित्रण प्रस्तुत किया।

इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने बताया कि हमें जीवन में क्रोध करने से बचना चाहिए एवं भगवान श्रीराम के व्यक्तित्व से शांति, सरल स्वभाव, प्रेम, समर्पण और साझेदारी की महत्ता की सीख लेनी चाहिए स इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह निदेशक अमन लिट्ठ व गौरव चौधरी ने संयुक्त रूप से सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया स रामलीला का मंचन संगीत शिक्षिका आरती शर्मा, गतिविधि प्रभारी जागृति कौशिक तथा कला शिक्षक संतोष कुमार व अंजना देवी के देख—रेख में हुआ।

इस अवसर पर वि?द्यालय के कोऑर्डिनेटर्स चांदनी बत्रा, धीरज महलवाल, सुनीता चौधरी, शालिनी भारद्वाज अन्य शिक्षकगण सुमित चौधरी, विनीत कुमार शर्मा, चिरंजीव, सुचित्रा, शिवानी सिद्धू, जागृति, आरती, सावन, पंकज, सरिता, संतोष कुमार, अंजना देवी, अखिल गिरि, रिया, नवनीत, कुमुद, प्रेरिता, राहुल, अनिल कुमार, शिबा मॉरिस, सचिन शर्मा, सोनू, फुरकान सैफी, नेहा खन्ना, प्रीति, सिखा आनंद आदि उपस्थित रहे।

सरकार की योजनाओं को लेकर किया जागरूक

अमरोहा। वैकटेश्वर, विश्वविघालय रजबपुर में टॉक शो कार्यक्रम का आयोजन किया गया टॉक शो के दौरान डॉ0 एना, डीन एवं प्रोफेसरो ने अपने जीवन में सफलता और संघर्षो सफलता के बारे मे बताया कि कैसे कड़ी मेहनत एवं आत्मविश्वास के बल से इस मुकाम पर पंहुची है। उन्हाने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता और असफलता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं. सफलता की राह में कई बार कुछ गलतियां भी हो जाती हैं. कई लोग इन गलतियों से हार मान जाते हैं जबकि कुछ लोग अपनी गलतियों से सीखते है।

लड़कियां और महिलाएं जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए एक सकारात्मक सोच रखें. सकारात्मक सोच आत्मविश्वास बढ़ाती है. हमारी गलतियां हमें अनुभव के रूप में एक दूसरा मौका देती है। बेटियों पर आज भी सामाजिक और परिवार का दबाव रहता है, उन पुराने बेटी विरोधी रूढिवादी परम्पराओं को छोड़कर आगे बढने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह के दिशा निर्देशानुसार ब्लॉक, रजबपुर, ग्राम, झनकपुरी, जनपद—अमरोहा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना के सम्बन्ध में तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि के बारे मे एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित पेंशन योजना के बारे में विस्तार से बताया गया, साथ ही वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।साथ में 18वर्ष से कम उम्र के बालक/ बालिकाओं के साथ हो रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। दहेज प्रथा को समाप्त करने, बाल विवाह की कुप्रथा को रोकने ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया।

मातृशक्ति को सम्मान देना हमारे सुसंस्कार एवं नैतिक जिम्मेदारी : डा. राजीव त्यागी

अमरोहा(सब का सपना): श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान में उत्तर प्रदेश सरकार की मातृशक्ति को स्वावलम्बी एवं शैक्षिक / शारीरिक व मानसिक रूप से शक्तिशाली बनाने वाली महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजना 'मिशन शक्ति' के तहत महिला कल्याण मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में 'शक्ति संवाद ज्ञ(टॉक शो)' का शानदार आयोजन किया गयो

जिसमे महिला कल्याण विभाग की मनोवैज्ञानिक डा. करूणानिधि एवं 'मिशन शक्ति सखी वन स्टेप सेन्टर' की प्रबंधक ममता दुबे ने संस्थान में कार्यरत महिला अधिकारियों एवं टीचर्स से उनके कैरियर में 'संघर्ष से शिखर की ओर पहुचने' के सफ़र की दास्तान पर '(टॉक शो) ज्ञ शक्ति संवाद' के जरिये महिलाओं से ₹उनकी सफलता की कहानी ज्ञ उन्हीं की जुबानी₹ सुनी इसके साथ—साथ ही महिला सशक्तिकरण को लेकर परिसर में एक जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय /संस्थान के डा. सी.वी. रमन सभागार में 'मिशन शक्ति' के तहत आयोजित 'शक्ति संवाद (टॉक शो)' का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, 'सखी वन स्टेप संस्था' की प्रबंधक ममता दुबे एवं मनोवैज्ञानिक /परामर्शदाता डा. करुणानिधि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. (डा.) कृष्ण कान्त दवे, कुलसचिव डा. पीयूष पाण्डेय आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।

इस अवसर पर डीन नर्सिंग डा. एना एरिक ब्राउन, डा. दिव्या गिरधर, महिला पुलिस से सपना कौशिक, साक्षी चौधरी, डा. स्नेहलता गोस्वामी, डा. नीतू पंवार, डा. रूचि उपाध्याय, डा. दीक्षा दीक्षित, डा, मंजरी राणा, सुमनदीप कौर, पूजा, नीमा एवं मेरठ परिसर निदेशक डॉ. प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे ।

ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सचिव ने सरकार को दिखाया ठेंगा, गांव में पसर रही गंदगी

हसनपुर (सब का सपना): सरकार के द्वारा साफ सफाई स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान के ऊपर ना जाने कितने करोड रुपए खर्च कर दिया जाता है लेकिन कुछ जगह ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सचिव सरकार के द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान पखवाड़े को पलीता लगाने का काम कर रहे हैं या फिर यूं कहें कि सरकार को ठेंगा दिखाने का काम कर रहे हैं।

विकासखंड हसनपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत फैयाज नगर में ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सचिव के द्वारा साफ सफाई के नाम पर सरकार को ठेंगा दिखाया जा रहा है जिसका जीता जागता उदाहरण आपको ग्राम पंचायत भवन को जाने वाले रास्ते पर मिल जाएगा जहां सरकार के द्वारा ग्रामीणों को सेवाएं देने के लिए लाखों रुपए खर्च कर पंचायत भवन का निर्माण कराया गया है लेकिन पंचायत भवन पर जाने वाले रास्ते पर गंदगी पसरी हुई है। जल भराव की समस्या है जहां स्वयं हमारे

संवाददाता ने सर्वे किया और वहां जाकर देखा तो पता चला की की पंचायत भवन के सामने ही जल निगम की पानी की टंकी का निर्माण भी हो रहा है जो अभी निर्माणाधीन है। वही सामुदायिक शौचालय भी है, वहीं पास में अंबेडकर पार्क भी बना है, जहां बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी पार्क भी है और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी का बोर्ड लगा है। लेकिन बोर्ड के चारों तरफ गंदगी पसरी हुई है। जहां लगातार जल भराव की समस्या बनी हुई है लेकिन ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी का इस और कोई ध्यान नही है। वही ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या काफी लंबे समय से बनी हुई है और इधर कोई भी देखने वाला नहीं है आगे उन्होंने कहा कि गांव में इस बार कहीं भी कोई विकास कार्य नहीं कराया गया है। हालांकि फागिंग और साफ सफाई के नाम पर ग्राम पंचायत में हर वर्ष ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के द्वारा रूपया निकाला जाता है लेकिन सवाल उठता है कि जब फॉगिंग और साफ सफाई के नाम पर रूपया निकाला जाता है तब आखिर गांव में गंदगी का जिम्मेदार कौन? अब देखना यह होगा कि सब कुछ यूं ही चलता रहेगा या फिर कुछ बदलेगा भी।

वाहन चालकों को पढ़ाया यातायात के नियमों का पाठ

अमरोहा(सब का सपना): जनपद अमरोहा में 2 अक्टूबर को सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। इस दौरान परिवहन विभाग द्वारा लोगों को सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत वाहन चालकों को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी के साथ—साथ कॉलेज के छात्र छात्रों के माध्यम से लोगो को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

इस दौरान जनपद अमरोहा में सहायक संभागीय परिवहन प्रवर्तन अधिकारी महेश कुमार शर्मा मेहनत और लगन के साथ अपने कार्यो को अंजाम दे रहे हैं। हालांकि उन्होंने लगभग 5 दिन पूर्व डग्गामार बसों के पर बड़ी कार्यवाही की थी। जिसमें 10 बसों को सीज किया गया था। हालांकि सहायक संभागीय परिवहन प्रवर्तन अधिकारी महेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम कराया जा रहा है।

वही आज सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत ए आर टी ओ कार्यालय परिसर में ट्रक और बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई जिसमें। महेश कुमार शर्मा ए आर टी ओ ने कहा कि आप भी अपने इस्तर से अपने ड्राइवरों को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करते रहना चाहिए समय समय पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण और नेत्र परीक्षण करवाते रहना चाहिए उन्होंने यह भी कहा कि ओवरस्पीडिंग थे विषय में भी जागरूक करते रहना चाहिए।

भा.कि.यू (भूमि)की मासिक पंचायत में उठाई गई किसानों की समस्या

अमरोहा(सब का सपना): मनोज शर्मा:— भा.कि.यू.(भूमि) की मासिक पंचायत कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित की गई। जिसमे किसानो की समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न अधिकारियों की बैठक में बुलाने की मांग की गई थी। जिसमे — स्वास्थ्य विभाग, चकबंदी विभाग, गन्ना विभाग को समस्याओं से अवगत करा दिया गया है। लेकिन तीन अधिकारी जिसमें डी०डी०ए० मण्डी परिषद, मुरादाबाद, जिला विद्युत अधिकारी अमरोहा, जिला परियोजना अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच सके। जिससे किसानों में भारी आक्रोश है और चकबन्दी विभाग में चल रही खुली छूट को रोका जाए। विद्युत विभाग द्वारा किसानो से लूटपाट बंद की जाए। जनपद भर की मण्डियों में चल रही फर्जी विल्टी तथा लिफाफे गैंग को तत्काल बन्द कराकर कार्यवाही की जाए तथा सरकार को प्रतिदिन लगाए जा रहे राजस्व चूना को राजस्व के रूप में वसूला जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्षो से कार्य कर रहे चिकित्सको को तजुर्वे के आधार पर सर्टिफिकेट जारी किया जाए। वहीं ब्लॉक अध्यक्ष धीरज शर्मा का कहना है कि जनपद का रहरा ब्लॉक क्षेत्र तहसील बनाए जाने के सभी मानकों को पूर्ण करता है। इसलिए रहरा को तहसील का दर्जा दिलाकर अभिलम्ब निर्माण कार्य शुरू कराया जाए।

अकबरपुर शर्की उझारी में लोहे के लगे विद्युत पोलो में करंट उतरने के कारण कई पशु?ओं की मौत हो चुकी है। इस लिए सीमेंटिड विद्युत पोल लगाए जाए। उझारी में कब्रिस्तान की टूटी पड़ी दिवार पर चल रहे विवाद को जाँच कराकर समाप्त कराया जाये। किसान आयोग का गठन किया जाए। इस दौरान मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शीशपाल सिंह कटारिया, शवाब खान राष्ट्रीय प्रभारी, दीपक अग्रवाल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, प्रेम गोस्वामी राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, सौरभ तवंर प्रदेश महामंत्री, चतर सिंह प्रदेश महासचिव, मोहम्मद ताहिर, अल्ताफ हुसैन, मोहम्मद फारूक, ताहिर हुसैन, यशवीर सिंह, छतरपाल सिंह, संतवीर सिंह, सीताराम, महेश सिंह, ओमवीर सिंह, सुभाष सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सतपाल बिधूड़ी, सुनील बिधूड़ी, महिपाल सिंह, अर्जुन सिंह चौहान, राजेश कुमार, सुभाष सिंह, राहुल कुमार, बिट्टू चौहान, देशराज सिंह, धीरज शर्मा समेत भारी संख्या में किसान मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना): जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों ,शिक्षा की गुणवत्ता, ऑपरेशन कायाकल्प, मिड डे मील , विद्यालय निरीक्षण सहित अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई । समीक्षा बैठक के अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जो रिपोर्ट दिखाई जा रही है वह वास्तविक नहीं है केवल कागजों में ही काम हो रहा है ।

कहा की निरीक्षण करने कोई भी कार्य नहीं पाया जा रहा है कि कहीं पर ऑपरेशन कायाकल्प के तहत कार्य नहीं कराया गया है ,साफ सफाई नहीं है, शौचालय नहीं बने हैं, शिक्षा की गुणवत्ता ठीक नहीं पाई जा रही है । अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाता है लेकिन वह भी गुणवत्ता पूर्ण नहीं होता है ।

जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त कर निर्देशित करते हुए कहा कि एक महीने का समय दिया जा रहा है सभी व्यवस्थाएं सुधार लें अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें । कहा की कंपोजिट ग्रांट के तहत जो धनराशि दी गई है उस राशि से विद्यालयों में कार्य कराया जाए ।

समीक्षा बैठक के अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जो रिपोर्ट दिखाई जा रही है वह वास्तविक नहीं है केवल कागजों में ही काम हो रहा है । कहा की निरीक्षण करने कोई भी कार्य नहीं पाया जा रहा है कि कहीं पर भी ऑपरेशन कायाकल्प के तहत कार्य नहीं कराया गया है ,साफ सफाई नहीं है, शौचालय नहीं बने हैं, शिक्षा की गुणवत्ता ठीक नहीं पाई जा रही है ।

अन्यथा जिम्मेदारी तय की जाएगी और यह देखा जाएगा धनराशि कहां खर्च की गयी है और किसके हस्ताक्षर से खर्च की गयी। कहा कि जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य करना है एक माह आपको समय दिया जा रहा है । अक्टूबर माह से नया शेड्यूल अधिकारियों का जारी किया जाएगा जिसमें यह निर्धारित किया जाएगा की कौन विद्यालय किस अधिकारी को चेक करना है । शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारा जाए अच्छा माहौल दिया जाए, तभी लोगों के अंदर विश्वास होगा तभी व्यक्ति प्राथमिक विद्यालय में अपने बच्चों को पढ़ने के लिए भेज सकेंगे । इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र जी ,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपरजिलाधिकारी न्यायिक, परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे ।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर होंगे विभिन्न आयोजन

अमरोहा(सब का सपना): जनपद अमरोहा के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में माह अक्टूबर से दिसम्बर 2024 तक महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत चलाये जाने वाले कार्यक्रमों के संबंध में बैठक आयोजित की गई । इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों की एक–एक करके कराए जाने वाले कार्यक्रमों के संबंध में बताया। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह 2 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2024 तक आयोजन किया जाएगा ।

दिनांक 3 अक्टूबर को लैंगिक समानता विषय पर गोष्ठी सेमिनार कार्यशाला आयोजन किया जाएगा ,4 अक्टूबर 2024 को जनपद स्तर पर अपने जीवन में सफलता की सीढ़ियां चढ़ने वाली महिलाओं के साथ 2 घंटे के टॉक शो का आयोजन होगा, 5 अक्टूबर को एक दिन की जिला अधिकारी बालिकाओं तथा महिलाओं द्वारा सांकेतिक भूमिका निर्वहन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा ,6 अक्टूबर 2024 को कन्या जन्मोत्सव के अवसर पर किसी भी सरकारी अस्पताल में जन्म लेने वाली बालिकाओं के जन्मोत्सव तथा उन्हें मां बेटी के उपहार का वितरण किया जाएगा, 7 अक्टूबर को जनपद स्तर पर रोक गए बाल विवाहों में शामिल बालिकाओं के सम्मान में विशेष सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा समाज में बदलाव के लिए कार्यकम , 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन प्रत्येक आंगनबाड़ी तथा राजकीय बालिका शिशु ग्रहों में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर विशेष कन्या पूजन व उनके लिए प्रसाद ग्रहण का आयोजन किया जाएगा ।इसी प्रकार 21 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 तक ऑपरेशन मुक्ति कार्यक्रम 10 नवंबर से 14 नवंबर 2024 तक बाल कार्निवल, 19 नवंबर को वीरांगना दिवस 20 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर संस्थानों में बाल अधिकारों का जागरूकता कार्यक्रम ।

गाँधी जयंती के अवसर न्यायालय परिसर में की साफ–सफाई

अमरोहा(सब का सपना): जिला दीवानी न्यायालय परिसर अमरोहा मुख्यालय पर अभिषेक कुमार व्यास, सिविल जज उ0 सी0डि0/ प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा के निर्देशन में तथा जफीर अहमद, जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा को अध्यक्षता में गाँधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता दिवस व अ0अ0 ए0डी0आर0 केन्द्र और मध्यस्थता के लाभ पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वाधान में विधिक जागरूकता / साक्षरता संगोष्ठि/सेमीनार का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश अमरोहा व समस्त न्यायिक अधिकारिगण एवं जिलाधिकारी अमरोहा द्वारा महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर समस्त न्यायिक

अधिकारीगण एवं जिलाधिकारी महोदया, व सभी कर्मचारीगण एवं अधिवक्तागण व सभी पराविधिक स्वयं सेवकगण आदि उपस्थित रहे। जफीर अहमद जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा ने कहा कि आज के दिन भारत में दो महापुरूषों का उदय हुआ, महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री, इन्होने अपना सम्पूण जीवन देश की सेवा एवं दूसरो की भलाई में लगा दिया। हमें भी इनके बताये रास्ते पर चलकर अपने देश व समाज की सेवा करना चाहिए। जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा स्वच्छता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता ही मनुष्य के स्वस्थ्य मन व स्वस्थ्य शरीर की जननी है। हमारे आस–पास का वातावरण स्वच्छ व सुन्दर होना चाहिए जिससे हमें स्वच्छ वायु, पानी व भोजन प्राप्त हो सकें।

रजबपुर क्षेत्र के परिगढ़ में तेंदुए ने बछड़े और नीलगाय को बनाया निवाला

अमरोहा(सब का सपना): रजबपुर थाना क्षेत्र के पीरगढ़ गांव में तेंदुए ने किसान के घेर में बंधे बछड़े को निवाला बना लिया। वहीं, खेत में घूम रहे नीलगाय के बच्चे को भी मार डाला। गांव में तेंदुए की आमद से ग्रामीणों में दहशत है। उधर, सूचना पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने तेंदुआ पकड़ने को पिंजरा लगाए जाने की मांग उठाई है।

ग्रामीण निवासी सुभाष यादव का मकान और घेर गांव के बाहरी छोर पर हैं। घेर में पशु बंधे रहते हैं। रविवार सुबह तेंदुआ घेर में घुस आया और बछड़े को दबोच लिया। बछड़े के शोर मचाने पर सुभाष व अन्य परिजन घेर में पहुंचे तो देखा तेंदुआ बछड़े को ले जा रहा है। सूचना पर ग्रामीण भी दौड़कर पहुंचे, लेकिन तब तक तेंदुआ बछड़े को ले गया। ग्रामीण इकट्ठा होकर खेत में पहुंचे, लेकिन तब तक तेंदुआ बछड़े को खा चुका था।

ग्रामीणों के शोर मचाने पर तेंदुआ जंगल में छिप गया। सूचना पर वन विभाग की टीम भी पहुंची। टीम ने तेंदुए के पंजों के निशान की भी जांच की। वहीं, रविवार शाम को ग्रामीण खेत पर जा रहे थे तो उनके सामने ही तेंदुए ने नीलगाय के बच्चे पर हमलाकर कर दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर तेंदुआ जंगल में भाग गया। हमले में घायल नीलगाय के बच्चे की मौत हो गई।

सात सूत्रीय मांगों को लेकर एससी एसटी शिक्षक संघ ने दिया धरना

अमरोहा(सब का सपना): अमरोहा। प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर शिक्षकों की सात सूत्रीय मांगों को लेकर जिला अध्यक्ष करतार सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में शिक्षक शहीद पार्क कलेक्ट्रेट अमरोहा में एकत्रित हुए जिसमे सात सूत्रीय मांगों मे पदोन्नति मे आरक्षण का शासनादेश तत्काल जारी किया जाए।

पदोन्नति में आरक्षण का 117 वां संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पास कर 9वी अनुसूची में डाला जाए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्गो का खाली बैकलॉग भरा जाए एस – सी एस टी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन को विभागीय मान्यता तत्काल दी जाए। शिक्षकों की भर्ती पुराने रोस्टर से की जाए 69000 शिक्षक भर्ती मे आरक्षण के पदो पर नियमनुसार भर्ती की जाए पुरानी पेंशन अविलंब बहाल की जाए अनुदेशकों शिक्षामित्रों रसोइयों को भी नियमित किया जाए। पचास से कम नामांकन वाले

विद्यालयो को विलय न किया जाए आदि मांगो को लेकर सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमन्त्री भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को सोपा सभी पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार विस्तार से व्यक्त किये।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष करतार सिंह विनोद कुमार गौतम, रामवीर सिंह, हीरा सिंह, जयवीर सिंह, शोभित सिंह, योगेश कुमार, संजीव कुमार, रुपेन्द सिंह, ओम प्रकाश त्रिपाठी, अमरजीत जितेन्द्र सिंह, देवकान्त भरत भूषण, कावेन्द्र सिंह, लोकेश आर्य प्रदीप कुमार, निर्देश कुमार, हरिराज सिंह, महेश कुमार, सोनू सिंह, संजीव कुमार, अशोक सिंह आदि रहे है।

कबड्डी टूर्नामेंट क्रीड़ा में कई टीमों ने लिया भाग

अमरोहा(सब का सपना): अमरोहा में युवक मंगल दल पपसरा के द्वारा पपसरा खेल मैदान में कबड्डी टूर्नामेंट क्रीड़ा भारती अमरोहा के सहयोग से सम्पन्न हुआ । जिसमें 16 टीमों ने प्रतिभाग किया ।जिसका उद्घाटन जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकांत त्यागी और लोकदल के प्रदेश सचिव सरजीत सिंह के द्वारा खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त करके किया गया।

पहला मुक़ाबला गजरौला और कूबी के बीच खेला गया जिसमें कूबी की टीम ने 38–9 से जीत दर्ज की। दूसरा मुक़ाबला बागड़पुर और हसनपुर के बीच हुआ जिसमें हसनपुर ने 20–10 से मुक़ाबला खेला जीता। तीसरा मुक़ाबला चाँदपुर व बागपत के बीच खेला गया जिसमें बागपत ने 11–09 से जीत दर्ज की।

चौथा मुक़ाबला ख ऊअ्ीं८ व पप्सरा–अ के बीच खेला गया जिसको पप्सरा–अ ने 19–16 से जीता।पाँचवा मुक़ाबला अहरोला क्लब व तरौली की टीमों के बीच खेला गया जिसको तरौली ने 32–10 से जीता। छटा मुक़ाबला

गजरौला व पप्सरा–इ यूथ क्लब के बीच खेला गया जिसको पप्सरा–इ ने 34–13 से जीता। सातवां मुक़ाबला छ.र.अ अमरोहा व मोहदीनपुर के बीच खेल गया जिसमें छ.र.अ अमरोहा ने इस मैच को 32–17 से जीता।आठवा मैच खढ चाँदपुर व लड़नपुर के बीच खेला गया जिसमें खढ चाँदपुर ने यह मैच 35–10 से जीता।

पहला क्वाटर फाइनल पप्सरा इ व कूबी के बीच खेला गया जिसमें पप्सरा इ ने यह मैच 37–10 से जीता। दूसरा क्वाटर फाइनल पप्सरा अ व हसनपुर के बीच खेला गया जिसमें पप्सरा अ ने यह मैच 15–06 से जीता। तीसरा क्वाटर फाइनल छ.र.अ अमरोहा व तरौली के बीच खेला गया जिसमें छ.र.अ अमरोहा ने 35–15 से जीत दर्ज की। चौथा क्वाटर फाइनल खढ चाँदपुर व बागपत के बीच खेला गया जिसमें खढ चाँदपुर ने 18–16 से जीत दर्ज की। इसके बाद सेमीफ़ाइनल पपसरा अ व खढ्ीं८ चाँदपुर से हुआ।

दूसरा सेमीफ़ाइनल पपसरा इ और एल एस ए स्कूल में हुआ जिसमे एल एस ए 16–14विजेता हुआ ।

फ़ाइनल मैच पपसरा अ और एल एस ए से हुआ जिसमे एल एस ए 18–17 से विजेता बना प्रथम टीम को 7100 रुपए और शील्ड और दितीय टीम को 5100 रुपए और शील्ड लोकदल के छत्रीय अध्यक्ष लोकदल के जिलाध्यक्ष मनवीर सिंह चिकारा , मास्टर हरपाल सिंह क्रीड़ा भारती के जिलाध्यक्ष पुरुजीत सिंह ने सम्मानित किया निर्णायक राजकुमार सिंह , देवेंद्र सिंह साक्षी तोमर रहे इस मोके पर निरंजन सिंह युवक मंगल दल अध्यक्ष जगदीप सिंह सचिन चौधरी मुकुल चौधरी सिशपाल सिंह रवि चौधरी विनीत पाल, सचिन ,दिवाकर ,आदेश , कुलदीप , छोटू, राज चौधरी , प्रिंस , रितिक हरिओम सेनी, रोशन सेनी, सूर्यम आदि मोजूद रहे।

संक्षेप खबरें

ड्राईविंग रेगयूलेशन का पालन करना हर वाहन चालक की जिम्मेदारी हैं:महेश कुमार शर्मा

अमरोहा(सब का सपना): प्रमुख सचिव परिवहन एवं परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार एवं निधि गुप्ता वत्स जिलाधिकारी जनपद अमरोहा एवं कुंवर अनुपम सिंह पुलिस अधीक्षक जनपद अमरोहा के निर्देशन में महेश कुमार शर्मा उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन अमरोहा के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा 2024 का शुभारम्भ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई जे एस हिन्दु पी जी कालेज अमरोहा द्वारा संचालित स्वच्छता ही सेवा अभियान का समापन नगर के जे एस हिन्दु पी जी कालेज अमरोहा के अभिनन्दन जैन सभागार में हुआ।

जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में सदस्य विधान परिषद डा0 हरि सिंह ढिल्लो जी एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में अपर जिलाधिकारी न्यायिक माया शंकर जी उपस्थित रहें। कार्यात्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ने मॉ सरस्वती की प्रतिमा एवं महात्मा गॉधी जी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी चित्रो पर माल्यापर्ण कर एवं दीप प्रवज्लित कर किया।

उक्त कार्यक्रम में जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा, रोडवेज के सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक मुहम्मद शफी, जे एस हिन्दु पी जी कालेज विद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव योगेश जैन, प्राचार्य वीर विरेन्द्र सिंह, यात्री/मालकर अधिकारी सुधीर सिंह, सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिकहरिओम सैनी, जज्बा फाउन्डेशन के अध्यक्ष इकबाल खान तथा बडी संख्या में एनसीसी कैडेट तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक तथा विद्यालय में कार्यरत शिक्षक एवं कर्मचारी जन उपस्थित रहें।

गंगा तिगरी मेला के लिये 15 अक्टूबर तक खेतों को खाली करा दिया जाए

अमरोहा(सब का सपना): जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स जी की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में आगामी गंगा तिगरी मेला 2024 के आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित की गई । इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी विभागों से एक–एक करके तैयारियों की जानकारी लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने उप जिला अधिकारी धनौरा को निर्देशित करते हुए कहा कि 15 अक्टूबर तक खेतों को खाली करा दिया जाए ।जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिस विभाग को जो टेंडर करना है वह टेंडर प्रक्रिया 15 तक अक्टूबर तक पूर्ण कर ले और 16 अक्टूबर से कार्य प्रारंभ कर 30 अक्टूबर तक पूरी तैयारी कर लें । कहा की टाइमलाइन का सभी अधिकारी विशेष ध्यान रखें सभी जो काम कराए जाने हैं वह समय से पूरा हो जाए ठेकेदार चिन्हित कर लें। जिला अधिकारी ने कहा कि मेला में नेटवर्क की बड़ी समस्या रहती है जिससे मोबाइल में बात नहीं हो पाती है इसके लिए अपर जिलाधिकारी न्यायिक वाई–फाई की व्यवस्था भी करें ।

विकट परिस्थिति में स्वयं को कमजोर न समझें

अमरोहा(सब का सपना): ,देश भर में बालिका सुरक्षा के लिए विख्यात मिशन प्रहार अभियान के संस्थापक लेजेंडरी ग्रैंडमास्टर शिफूजी शौर्य भारद्वाज ने कन्या गुरुकुल चोटीपुरा में बालिकाओं को आत्मरक्षा के प्रभावी उपाय सिखाए। गुरुकुल में मिशन प्रहार प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह था। समारोह में छात्राओं ने अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन करते हुए, पैन–पैंसिल, हाथ का कड़ा, आईकार्ड आदि प्रतिदिन प्रयोग की जाने वाली चीज़ों के माध्यम से ही प्रहार कर अपनी सुरक्षा के दाँवपेंचों का प्रदर्शन किया।

समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों व अभिभावकों ने बालिकाओं के इस प्रदर्शन को सराहा। समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में छात्राओं के उत्साह वर्धन हेतु उपस्थित रहे। मा. शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो जी, नगर पालिका अध्यक्षा जी शशि जैन एसडीएम अमरोहा विभा श्रीवास्तव जी एवं वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति एवं राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता डॉ राजीव त्यागी रहे।

एसडीएम अमरोहा विभा श्रीवास्तव ने कहा कि सभी स्कूल कॉलेज में शिक्षा के साथ– साथ आत्मनिर्भरता और संस्कार की शिक्षा दी जानी चाहिए। सिलेबस के साथ–साथ ऐसे प्रशिक्षण सत्र हर विद्यालय में चलाए जाने चाहिए। गुरुकुल हमें संस्कार व संस्कृति से जोड़ता है। यह गुरुकुल भारतीय संस्कृति का एक अनुपम उदाहरण है।

शशि जैन जी छात्राओं का प्रदर्शन देखकर अभिभूत हुईं। उन्होंने छात्राओं को स्वयं सक्षम होने के लिए प्रोत्साहित किया और आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएँ दीं।मुख्य अतिथि श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति एवं राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता डॉ राजीव त्यागी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें हर क्षेत्र में अपनी पृथक् पहचान बनानी है क्योंकि भीड़ व्यक्ति को शक्ति तो प्रदान करती है परंतु उसकी पहचान छीन लेती है। हमें अपनी जमीन और अपना आकाश स्वयं ही बनाना है और आत्मनिर्भर बनना है। उन्होंने कहा कि पूज्या आचार्या नारी सशक्ति की ब्रांड एंबेसडर हैं। और कहा कि बालिकाओं को सक्षम बनाना आज के युग की बड़ी आवश्यकता है, जिसका बीड़ा आपने उठाया है। आपका उद्देश्य है कि बालिकाएँ किसी भी विकट परिस्थिति में स्वयं को कमजोर न समझें एवं सूझबूझ तथा स्फूर्ति से उनका सामना करें।

अंगदान या देहदान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ दान है : सुधीर गिरि

अमरोहा(सब का सपना): श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वी.जी.आई. मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में ₹विश्व फार्मासिस्ट दिवस₹ पर ₹अंगदान–महादान₹ विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया । इसके साथ ही अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से संस्थान परिसर में एक जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया । वी.जी.आई. परिसर में वृहद रक्तदान शिविर में संस्थान के छात्र–छात्राओं एवं फार्मेसी के शिक्षकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हुए कुल 124 यूनिट रक्त संचय कर लोगों का जीवन बचाने की शपथ ली ।

गाजे बाजे के साथ निकाली गयी भव्य कलश यात्रा

चन्दौसी (सब का सपना) अखिलेश कुमारः– नगर के श्री अक्रूर जी पुरम में जोधपुर, राजस्थान से पधारे पीठाधीश्वर रामनिवास महाराज द्वारा सद्भावना जाग्रति सम्मेलन के तत्वावधान में चलने वाली 5 दिवसीय श्री राम कथा के शुभारंभ से पूर्व नगर में कलश यात्रा धूमधाम से निकाली गयी।

कलश यात्रा में बड़ी संख्या में मातृ शक्ति पीताम्बर वस्त्र धारण किये सिर पर कलश रखकर अखिल भारतीय राधा माधव संकीर्तन मंडल द्वारा गाए गए भजनों की धुन पर नृत्य करती हुई और जयकारे लगाती हुई चल रही थी। युवा लोग भगवा ध्वज लेकर डीजे पर चल रही राम धुन पर थिरकते हुए चल रहे थे। पीठाधीश्वर रामनिवास जी महाराज और डॉक्टर निलगिरी जी महाराज का रथ बैंड बाजा के साथ यात्रा में भक्तों को आशीर्वाद देते चल रहे थे।

कलश यात्रा का स्वागत ब्रह्म बाजार में ओमप्रकाश ओमी लाला ने पुष्प वर्षा कर व मिष्ठान वितरित करके स्वागत किया गया। यह कलश यात्रा नगर के मनिहार चौक, सीता रोड, ब्रह्म बाजार, कैथलगेट आदि मार्गो से होती हुई अक्रूर जी पुरम पहुंची। इस दौरान कलश यात्रा में राम कथा के आयोजक व संयोजक राष्ट्रीय युवा क्रांति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नलिन सिंह रामपुर, श्वेता गुप्ता, कपिल गुप्ता ओएलएफ, सौरभ वार्ष्णेय, कौशल किशोर वंदेमातरम, सिमरन वार्ष्णेय, अनमोल शिखर, अमित श्रीवास्तव, विकास गुर्जर, ग्वार खेड़ा बिलारी की प्रधान हंसमुखी, ओम प्रकाश गोगी, अनिल गोयल, रवि, राम अग्रवाल, संजय अग्रवाल, ओमकार अग्रवाल, रोहित गुप्ता, पारूल अग्रवाल, करूणा गुप्ता, मधू अग्रवाल, कविता सक्सेना, अल्का गुप्ता, विनीता गुप्ता, कोमल गुप्ता, दीक्षा गुप्ता, राखी रस्तोगी, छाया वार्ष्णेय, वंदना वार्ष्णेय, रचना वार्ष्णेय, चेतना रस्तौगी, रेनू गुप्ता, पिंकी राठौर, सीमा अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

लड़की होने पर बोझ ना समझें समानता का व्यवहार रखें : जिलाधिकारी

अमरोहा– रविवार को महिला कल्याण विभाग द्वारा महिला सुरक्षा स्वालंबन के लिए संचालित मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में एवं नगरपालिका अमरोहा अध्यक्ष शशि जैन की उपस्थित में जिला अस्पताल अमरोहा में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया, । इस अवसर पर कन्या जन्म देने वाली माताओं ने केक काटा जिस पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने व शशि जैन ने उन्हें कन्या जन्मोत्सव की बधाई और शुभकामनाएं दिया। इस अवसर पर 54 नवजात बालिकाओं के माता पिता को बधाई देकर बेबी किट, मच्छरदानी एवं मिठाई देकर सम्मानित कर जिलाधिकारी ने बच्चों और उनके माताओं के उत्तम स्वास्थ्य की कामना किया । जिलाधिकारी ने कहा कि कन्या के जन्म पर परिवार में उत्साह की भावना हो इसी के मद्देनजर यह जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। बताया कि सरकार का उद्देश्य है कि कन्या के जन्म पर दुखी होने की जरूरत नहीं है। कन्याओं के जन्म से लेकर विवाह तक

अभिभावकों की मदद के लिए सरकार योजनाएं संचालित कर रही है। सभी से आह्वान किया कि बेटियों को बोझ न समझें।

लड़का–लड़की में समानता का व्यवहार करें। बेटियां किसी भी स्थिति में लड़कों से कम नहीं है सामाजिक आर्थिक राजनीतिक हर क्षेत्र में बालिकाएं प्रगति कर रही हैं उन्हें अच्छी शिक्षा देने की जरूरत है अच्छे से उनकी देखभाल करें अच्छी शिक्षा दें वह स्वावलंबी होकर देश के विकास और नेतृत्व में महत्वपूर्ण योगदान देंगी ।नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन ने कहा की मिशन शक्ति सरकार द्वारा चलाई जा रही है लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए सरकार की अच्छी योजना है। यह लोगों में लड़की और लड़का के प्रति भेद को दूर करेगी । लड़की को बोझ ना समझे उसे लड़के की तरह अच्छे से देखभाल पालन पोषण कर अच्छी शिक्षा दें। इस अवसर पर उटर जिला चिकित्सालय जिला प्रोबेशन अधिकारी तथा अन्य डॉक्टर व स्टाफ मौजूद रहे।

श्री नारायण सेवा समिति द्वारा मनाया गया विश्व शिक्षक दिवस

चन्दौसी (सब का सपना) संवाददाता अखिलेश कुमारः– श्री नारायण सेवा समिति रजि0 चंदौसी के प्रबन्धक हरीश कठैरिया एड के संयोजन में विश्व शिक्षक दिवस सुभाष रोड स्थित आवास पर आयोजित किया गया। जिसमें एसएम इंटर कॉलेज में वनस्पति विज्ञान के प्रवक्ता विपिन कुमार गुप्ता तथा बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत सहायक अध्यापिका श्वेता गुप्ता को शील्ड के साथ प्रशस्ति पत्र देकर एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ०टी०एस०पाल ने कहा विश्व शिक्षक दिवस हर साल 5 अक्टूबर को मनाया जाने वाला एक वैश्विक कार्यक्रम है, जो युवा मस्तिष्क को आकार देने और ज्ञान को आगे बढ़ाने में दुनिया भर के शिक्षकों के प्रयासों का सम्मान करता है. अगर शिक्षक न होते तो हम क्या होते ? बच्चों के दिमाग और भविष्य को विकसित करने में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। जयशंकर दुबे ने कहा कि समाज में शिक्षकों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है वो जैसा चाहेंगे वैसा समाज का निर्माण होगा। विपिन गुप्ता ने कहा कि

एसएम इंटर कॉलेज में वनस्पति विज्ञान के प्रवक्ता विपिन कुमार गुप्ता तथा बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत सहायक अध्यापिका श्वेता गुप्ता को शील्ड के साथ प्रशस्ति पत्र देकर एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया गया ।

शिक्षक का जीवन में बहुत उच्च स्थान होता है वह हमेशा अपने शिष्यों को ऊंचाई पर जाना देखना पसंद करते हैं। समिति अध्यक्ष सुभाष चंद्र वार्ष्णेय ने कहा कि गुरु परम आदरणीय होता है शिष्य उसका रन जीवन भर नहीं उतार पाते हैं। इस दौरान के0जी0 गुप्ता, मुकुंद अग्रवाल, वंश गुप्ता, इशित गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

संभल : वाहन ने बाइकों को रौंदा, 2 युवकों की मौत

गुन्नौर (संभल) गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर गुरुवार देर रात बाइक सवार दो युवक को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। हादसे में दोनों युवकों की मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।

गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र में आगरा–मुरादाबाद नेशनल हाईवे पर गांव बिचपुरी सैलाब के पास गुरुवार देर रात 12.30 बजे अज्ञात वाहन ने नरौरा से गुन्नौर की ओर आ रहे दो बाइकों को रौंद दिया। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार जुनावई निवासी विकास (18) पुत्र जानकी, नरेंद्र (20) पुत्र नेमी, कमल (22) पुत्र हरप्रकाश और गांव झुकैरा निवासी राहुल (21) पुत्र मिट्ठे गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और चारों घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुन्नौर भिजवाया जहां चिकित्सक ने विकास व नरेंद्र को मृत घोषित कर दिया।

घायल कमल व राहुल की हालत गंभीर देखते हुए अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए। मृतक नरेंद्र के परिजनों ने बताया कि वह गांव के ही बुजुर्ग चुन्नीलाल की मृत्यु होने पर अंत्येष्टि में शामिल होने राजघाट गंगाघाट जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वह राजघाट गंगा घाट न जाकर अपने तीनों दोस्तों के साथ जनपद बुलंदशहर में नरौरा पहुंच गया। वहां से देर रात लौटते वक्त नेशनल हाईवे पर बिचपुरी सैलाब के नजदीक अज्ञात वाहन ने दोनों बाइकों को टक्कर मार दी।

पुलिस परामर्श केन्द्र पर आपसी विवादों का सुलह समझौते के आधार पर किया गया निस्तारण

चन्दौसी (सब का सपना) अखिलेश कुमारः– पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार विश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श 16000 समझौता केंद्र की एक मीटिंग सुबह 10 बजकर 30 बजे पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद की देखरेख में संपन्न हुई जिसमें पति–पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया यहां कुल 79 पत्रावली सुनकर 29 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया जिसमें 15 परिवारों को सुलह समझौते के आधार पर एक किया गया तथा चार पत्रावली में विधिक कार्यवाही करने की संतुति की गई एवं 10 पत्रावली आवेदक द्वारा बल न देने के कारण तथा न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण बंद करने की संतुति की गई इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश

अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट, संगीता भार्गव, बबीता शर्मी, सीमा आर्य, शाजिया खान एवं कांस्टेबल रश्मि गहलोत, शहजाद मलिक आदि मौजूद।

संभलः सब्जी विक्रेत्ता की हत्या कर धान के खेत में फेंका शव

चन्दौसी, बनियाठेर थाना क्षेत्र के कादरपुर कुकैटा में सब्जी विक्रेत्ता की हत्या कर शव धान के खेत में फेंक कर ऊपर से पुआल डाल दी। युवक बुधवार की शाम से लापता था। गुरुवार की सुबह खेत में शव मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलने पर एएसपी, थाना पुलिस ने पहुंच जानकारी की। फोरेसिंक टीम ने पहुंच घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। घटना की रिपोर्ट अज्ञात के विरुद्ध दर्ज कराई गई है।

गांव कादरपुर कुकैटा निवासी जसवंत दिवाकर 28 वर्ष पुत्र रामसेवक ठेले पर सब्जी बेचकर परिवार का पालन–पोषण करता था। बुधवार की शाम जसवंत सब्जी बेचकर घर आया और हॉफ पेंट व टी–शर्ट पहनकर घर से चला गया। रात साढ़े आठ बजे पत्नी तुलसी ने अपने देवर प्रभात से पति को बाहर से बुलाकर लाने की बात कही। कई स्थानों पर खोजबीन के बाद भी जसवंत का कोई सुराग नही

हत्या कर शव धान के खेत में फेंक कर ऊपर से पुआल डाल दी। युवक बुधवार की शाम से लापता था। गुरुवार की सुबह खेत में शव मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलने पर एएसपी, थाना पुलिस ने पहुंच जानकारी की। फारेसिंक टीम ने पहुंच घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। घटना की रिपोर्ट अज्ञात के विरुद्ध दर्ज कराई गई है।

लगा। इसके बाद छोटे भाई प्रभात से बाइक से अन्य स्थानों पर खोजबीन की। मगर सफलता हाथ नहीं लगी। इसके बाद सुबह 7.30 बजे युवक का शव महेश पुत्र रघुवीर के धान के खेत में पड़ा मिला। शव के ऊपर पुआल पड़ी थी।

घटना की सूचना मिलने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और विलाप करने लगे। सूचना मिलते ही थाना पुलिस भी पहुंच गई और परिजनों से जानकारी की। इसके बाद एसपी कृष्ण कुमार ,एएसपी श्रीशचंद्र ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फारेसिंक टीम ने पहुंच घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। मृतक के पिता ने बताया कि उनकी व परिवार की किसी से कोई रंजिश नहीं है। शव के बाई गर्दन पर चाकू का निशान बना था और युवक की टी–शर्ट से गले से लिपटी थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पिता रामसेवक की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध हत्या के मामले में रिपोर्ट दर्ज की है।

संक्षेप खबरें

शब्दो के टंकार बिठा लहजे में खुद्दारी रख, जीने की ख्वाइश है तो मरने की तैयारी रख...

बहजोई, । संभल कल्कि महोत्सव के रात्रि सत्र में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें बाहर से पहुंचे कवियों ने एक से एक बढ़कर कविताओं की प्रस्तुति दी। कवियों ने कविताओं की प्रस्तुति पर श्रोता तालियां बजाने पर मजबूर हो गए। कवियों ने ऐसा समां बांधा कि चारों ओर तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही। बड़ा मैदान पर चल रहे संभल कल्कि महोत्सव में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी व डीएम डॉ.राजेंद्र पैंसिया मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके बाद कवि सौरभकांत शर्मा ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। नैनीताल से आई कवयित्री गौरी मिश्रा ने कहा कि भक्ति भाव से अपना तन मन करता जो पारायण है, एक दिवस वह स्वयं आत्मिक पा जाता नारायण है। कवि रमेश विश्वहार ने कहा कि भावनाओं में है कामनाओं में है तेरा चेहरा मेरी कल्पनाओं में है। हास्य कवि अमन अक्षर ने कहा की तन किशोरी को किशोर से बचाइए तो मन को हमारे जैसे चोर से बचाइए।

संभलः आयुर्वेद अपनाकर करें खानपान का प्रबंधन

बहजोई (संभल) जनपद के स्थापना दिवस सात संभल कल्कि महोत्सव के दूसरे दिन प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डा. विश्वरूप चौधरी ने आयुर्वेद पर चर्चा करते हुए केवल दिनचर्या बदलने से ही दवा से छुटकारा मिलने की बात कही। आयुर्वेद से बड़ी–बड़ी बीमारियों का उपचार संभव होने की बात कही।बड़ा मैदान पर चल रहे संभल कल्कि महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित गोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला जज कमलेश, डीएम राजेंद्र पैंसिया, डा. विश्वरूप व आचार्य मनीष ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद आयुर्वेदाचार्य विश्वरूप चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि खानपान समय परिवर्तन से अपने स्वास्थ्य को ठीक रखा जा सकता है। समय प्रबंधन से ही दवाइयां को छोड़कर सभी बीमारियों का उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि बेहतर जीवन जीने के लिए प्रत्येक गतिविधि समय से करनी होगी। सुबह 8:00 बजे के बाद भोजन करना चाहिए। शाम 6:00 बजे के बाद भोजन नहीं करना चाहिए। रात्रि में भोजन या कोई अन्य

खाद्य पदार्थ नहीं लें, क्योंकि हमारा शरीर और इसके अन्य अंग इस आधार पर काम करते हैं। रात्रि में किडनी दिन के बदले कम कार्य करती है। उन्होंने तमाम प्रक्रियाओं के तहत जोड़ों का दर्द, शुगर, बीपी, कैंसर जैसी बड़ी–बड़ी बीमारियों से ठीक रखा जा सकता है। आचार्य मनीष ने कहा कि आयुर्वेद से विभिन्न बीमारियों के उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। तो वहीं डीएम राजेंद्र पैंसिया ने बेहतर स्वास्थ्य के लिए योग और आयुर्वेद को अपनाना चाहिए। इस दौरान सीडीओ गोरखनाथ भट्ट, सीएमओ डॉ. तरुण पाठक, एसीएमओ डॉ पंकज बिश्नोई, जिला महामंत्री कमल कुमार कमल, पूर्व जिला अध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़कबंशी सहित आदि मौजूद रहे।

आवश्कता, नाम परिवर्तन, खोया–पाया, सार्वजनिक सूचना विज्ञापन कम दरों में

सब का सपना क्लासीफाइड के साथ लाखों तक पहुँचाइये अपनी बात

अपना विज्ञापन बुक करवाने के लिये संपर्क करें
9456884327

भाई ने रात में भेजा 'सुसाइड' का मैसेज... अगली सुबह मिली लाश

मैसेज में युवक ने लिखा था कि वो सुसाइड करने जा रहा है. लाश एक सड़क किनारे पड़ी मिली.

बुलंदशहर : जिले में एक प्रेमी जोड़े के दर्दनाक अंत का मामला सामने आया है. यहां के मूल निवासी शख्स ने अपने भाई को मोबाइल पर जो मैसेज भेजा उसे पढ़कर उसका कलेजा कांप गया. मैसेज में युवक ने लिखा था कि वो सुसाइड करने जा रहा है. अगली ही सुबह दादरी इलाके से उसकी लाश एक सड़क किनारे पड़ी मिली.

युवक के साथ एक युवती की लाश भी मिली है. जिसके बाद ये थ्योरी भी दी जा रही है कि दोनों ने प्रेम प्रसंग के चलते सुसाइड की होगी. स्थानीय पुलिस भी इसे आत्महत्या मान रही है. रविवार को थाना दादरी क्षेत्र के अंतर्गत एक युवक–युवती का शव मिला था. मृतकों की पहचान हो गई है. युवती भी बुलंदशहर की रहने वाली थी. पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है.

जांच अधिकारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा कि ये मामला हत्या का है या फिर आत्महत्या का. फिलहाल तो पुलिस सुसाइड केस मान रही है. बताया जा रहा है कि जांच टीम को घटनास्थल पर 'उल्टी' मिली है. जिसके आधार पर पुलिस मान रही है कि दोनों ने जहर खाकर आत्महत्या की होगी.

> पुलिस के मुताबिक मृतक के भाई ने बताया है कि उसे कल रात को उसके भाई का मैसेज मोबाइल पर मिला था. जिसमें उसने लिखा था कि वो सुसाइड करने जा रहा है. भाई ने वो मैसेज को पुलिस को जांच के लिए फारवर्ड कर दिया है. मामले की जांच गहनता के साथ जारी है. पुलिस का कहना है कि जो भी तथ्य सामने निकलकर आएंगे, पुलिस कार्रवाई करेगी.बुलंदशहर जिले के चोला इलाके में कई महीने पहले एक प्रेमी युगल सड़क किनारे राहगीरों को बदहवास हालत में मिले थे. इन दोनो ने कोई जहरीला पदार्थ खाया हुआ था. दोनो को अस्पताल पहुंचाया गया. प्रेमिका की मौत मौके पर ही हो गई और प्रेमी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था.

पुलिस के मुताबिक मृतक के भाई ने बताया है कि उसे कल रात को उसके भाई का मैसेज मोबाइल पर मिला था. जिसमें उसने लिखा था कि वो सुसाइड करने जा रहा है. भाई ने वो मैसेज को पुलिस को जांच के लिए फारवर्ड कर दिया है. मामले की जांच गहनता के साथ जारी है. पुलिस का कहना है कि जो भी तथ्य सामने निकलकर आएंगे, पुलिस कार्रवाई करेगी. बुलंदशहर जिले के चोला इलाके में कई महीने पहले एक प्रेमी युगल सड़क किनारे राहगीरों को बदहवास हालत में मिले थे. इन दोनों ने कोई जहरीला पदार्थ खाया हुआ था. दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया. प्रेमिका की मौत मौके पर ही हो गई और प्रेमी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था.

हाथरस भगदड़ केस में 3200 पेज की चार्जशीट से 'भोले बाबा' गायब

हाथरस : उत्तर प्रदेश के हाथरस में 2 जुलाई 2024 को मची भगदड़ की जांच के मामले में पुलिस ने 3200 पेज की चार्जशीट पेश कर दी है। इस हादसे में 121 लोगों की जान चली गई थी, लेकिन भगदड़ की चार्जशीट में स्वयंभू बाबा सूरजपाल सिंह उर्फ भोले बाबा का कहीं जिक्र नहीं है, चार्जशीट में 11 आरोपी बनाए गए हैं जिनमें दो महिलाएं हैं। हालांकि आरोपियों में सूरजपाल सिंह उर्फ भोले बाबा का जिक्रनहीं है।

बचाव पक्ष के वकील एपी सिंह ने कहा कि एक बार कोर्ट के चार्जशीट का संज्ञान लेने के बाद ट्रायल शुरू होगा। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई चार अक्टूबर को तय की है। मंगलवार को केस के 10 आरोपियों को पुलिस अलीगढ़ जिले से हाथरस जिला कोर्ट लेकर आई। इन आरोपियों में कार्यक्रम का मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर भी शामिल था।

'हाथरस हादसे में सूरजपाल की भूमिका पर सवाल नहीं'

हाथरस भगदड़ केस में 2 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (हत्या के बराबर न होने वाली गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा) और 238 (साक्ष्य मिटाना) के तहत दर्ज की गई थी। सितंबर महीने में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले में आरोपी दो महिलाओं को सशर्त अंतरिम जमानत दी थी। इन महिलाओं के नाम मंजू देवी और मंजू यादव है। हालांकि 9 आरोपी अभी भी कस्टडी में हैं।इससे पहले मामले की जांच कर रही एसआईटी ने भगदड़ में हुई मौतों पर अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसके बाद 6 पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था।

जामा मस्जिद के बाहर पुलिस पर किए गए पथराव के मामले में 18 नामजद

बुलंदशहरः सिकंदराबाद। सिकंदराबाद में शुक्रवार की रात जामा मस्जिद के बाहर पुलिस पर किए गए पथराव के मामले में 18 नामजद और 70 अज्ञात के खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बिना अनुमति प्रदर्शन करने के मामले में नौ लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मामला जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर और गाजियाबाद के डासना के शिव शक्ति धाम के महंत यति नरसिंहानंद के खिलाफ किए गए प्रदर्शन का है। यति पर मोहम्मदसाहब पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। सिकंदराबाद में जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन किया गया था। पुलिस ने नौ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

इसके बाद रात को आठ बजे कुछ लोगों ने जामा मस्जिद के बाहर पुलिस पर पथराव कर दिया। ये लोग दिन में हिरासत में लिए गए लोगों को छोड़े जाने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने पथराव कर रहे लोगों को बल प्रयोग कर खदेड़ दिया। इस घटना से इलाके में तनाव बन गया। इसके बाद केस दर्ज कर आरोपियों की धड़पकड़ की गई। एहतियात के तौर पर पुलिस ने धारा 144 लगा दी। कस्बे में पुलिस तैनात कर दी गई है। मेरठ रेंज के आईजी नचिकेत झा ने शुक्रवार की रात एक बजे हालात का जायजा लिया। प्रदर्शन और पथराव के के वीडियो फुटेज मिले हैं। इनके आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों मुकदमों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बिना अनुमति प्रदर्शन के मामले में मोहल्ला शेखवाड़ा निवासी परवजे, शान मोहम्मद, हारून, मोहसिन, फरमान, मोहल्ला अंसारियान निवासी वक्कास, आवेश, अरशद, नई बस्ती चौधरीवाड़ा निवासी साकिब के खिलाफ केस दर्ज किया गया। सभी गिरफ्तार कर लिए गए। इस केस में भारतीय न्याय संहिता की साधारण दंगे, लोगों की जान खतरे में डालने और दो समुदायों के बीच नफरत फैलाने की धाराएं लगाई हैं। छपथराव के मामले में फजलू चौक तालाब के पास निवासी साजिद, सलेमपुर रोड निवासी शाहरूख, जावेद, फैसल, नई बस्ती चौधरीवाड़ा निवासी कासिफ, शेखवाड़ा निवासी रिजवान, जमाईपुरा निवासी अमन उर्फ टोटल, खत्रीवाड़ा निवासी फैजान को गिरफ्तार किया गया है।

भूत भगाने के नाम पर की छेड़छाड़, मौलवी ने बनाया धर्म परिवर्तन का दबाव

गाजीपुरः उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में एक महिला ने मौलवी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि पहले मौलवी ने उसके साथ छेड़छाड़ की। फिर उसके ऊपर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। मामला बरेसर थाना क्षेत्र के माटा गांव का है। महिला की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर छानबीन में जुट गई है। महिला मूल रूप से बलिया की रहने वाली है। महिला का आरोप है कि शैतानी साया भगाने के नाम पर मौलवी ने धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। मौलवी शान अहमद माटा गांव में ही अपना दरबार चलाता है। जहां बीमार लोग झाड़–फूंक के लिए आते हैं। बताया जा रहा है कि पीड़ित महिला के परिवार वाले भी मौलवी शान अहमद के दरबार मे आते रहे हैं।

महिला के परिवार वालों पर मौलवी का खासा प्रभाव था। मौलवी ने महिला पर भूत–प्रेत का साया होने का दावा किया था। जिसके बाद इलाज के लिए उसे माटा गांव में अपने दरबार में बुलाया और उसके साथ अश्लील हरकत करने की कोशिश की और धर्म परिवर्तन का दबाव भी बनाया। गाजीपुर के एएसपी अतुल कुमार सोनकर का कहना है कि फिलहाल वढ पुलिस केस दर्ज कर मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है, जबकि मौलवी गांव से फरार है।

परिवार को खत्म करने की दी धमकी

पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी 2021 में बलिया के रहने वाले शख्स के साथ हुई थी। मौलवी ने उसके पति को बरगलाया। मौलवी ने कहा कि प्रेत के कारण उसके घर में कोई काम नहीं होता। पति के बार–बार कहने पर वह 18 मार्च को पहली बार मौलवी के माटा स्थित दरबार में आई थी। मौलवी बहाने से उसे कमरे के अंदर ले गया। वहां उसके साथ अश्लील हरकत करने की कोशिश की।

महिला ने शोर मचाया तो मौलवी ने जान से मारने की धमकी देकर चुप करवा दिया। मौलवी ने कहा कि अगर इस्लाम कबूल नहीं किया तो वह उसके परिवार को खत्म करवा देगा। जिसके बाद किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। वह घर लौटी तो माता–पिता को अपने साथ हुई आपबीती बताई। जिसके बाद माता–पिता ने उसे पुलिस को शिकायत देने के लिए समझाया।

दुष्कर्म में मिली फांसी की सजा उम्रकैद में तब्दील

बुलंदशहर। साढ़े छह साल पहले ट्यूशन से लौट रही छात्रा के अपहरण के बाद सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के दोषियों की फांसी को हाईकोर्ट द्वारा उम्रकैद (25 साल) किए जाने के खिलाफ परिजन सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे। परिजनों ने हाईकोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर नहीं की और कहा कि यह न्याय की जीत नहीं है।

दो जनवरी 2018 को नगर निवासी कक्षा 12 की छात्रा ट्यूशन पढ़कर लौट रही थी। इसी दौरान कार सवार तीन बदमाशों ने छात्रा का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करते हुए छात्रा की हत्या कर दी थी। बाद में आरोपियों ने छात्रा का शव गौतमबुद्धनगर की नहर में फेंक दिया था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपहरण का मुकदमा दर्ज किया था। बाद में छात्रा का शव मिलने पर परिजनों ने गौमतबुद्धनगर पहुंचकर शव की शिनाख्त की थी। पुलिस ने तीन आरोपी जुल्फिकार अब्बासी, दिलशाद अब्बासी और ईसराइल उर्फ मलानी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। साथ ही आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। 24 मार्च 2021 को मामले में अपर सत्र न्यायाधीश राजेश पाराशर की कोर्ट ने तीनों आरोपियों को सामूहिक दुष्कर्म, हत्या, अपहरण का दोषी पाते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। दोषियों ने कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। इसमें हाईकोर्ट ने फांसी की सजा को आजीवन कारावास (25 साल) में तब्दील कर दिया। पीड़ति परिजनों ने शनिवार को अमर उजाला से बातचीत करते हुए कहा कि हाईकोर्ट के फैसले से वह बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हैं और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे। कहा कि एक घर लौट रही बेटी को बिना जान पहचान आरोपियों ने अपहरण करते हुए सामूहिक दुष्कर्म और हत्या की वारदात को अंजाम दिया, ऐसे में आरोपियों की फांसी की सजा बरकरार रहनी चाहिए थी।

जेल में रामलीला : कैदी निभाते हैं भूमिका, लोग मिलजुल कर लेते हैं हिस्सा

नई दिल्लीं : नवरात्रों के दिनों में सभी जगहों पर रामलीलाओं की धूम है। हरिद्वार की जिला जेल में भी अपनी तरह की अनूठी रामलीला चल रही है। यहां के कैदी ही रामलीला के सभी पत्रों को निभा रहे हैं। खास बात ये है कि इस रामलीला में हिंदू ही नहीं बल्कि दूसरे धर्म के लोग भी बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

1 महीने पहले शुरू होती है प्रैक्टिसः इन दिनों देश भर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की लीलाओं का मंचन हो रहा है और इन लीलाओं के माध्यम से लोगों को भगवान राम के आदर्श अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ऐसे में हरिद्वार की जिला जेल में भी रामलीला चल रही है। इस रामलीला की खासियत यह है कि इसमें किरदार निभाने वाले कलाकार कैदी ही है और इनमें अन्य धर्म के कैदी भी आगे बढ़कर भूमिका निभा रहे हैं। सभी कैदी रामलीला के लिए एक महीने पहले से प्रेक्टिस शुरू कर देते हैं। उनकी मेहनत का परिणाम रामलीला मंचन में देखने को मिलता है और जेल के बंदी पूरी श्रद्धा के साथ रामलीला को देखते है।

जेल में रामलीला का मंचन

जेल का नाम सुनते ही अक्सर जेल में बंद खूंखार अपराधियों और भय के वातावरण जैसे नजारे आंखों में कौंधते हैं। लेकिन हरिद्वार जिला कारागार का नजारा इन दिनों बिल्कुल जुदा है। नवरात्र के पावन दिनों में जेल में भी रामलीला चल रही है। यहां जेल के कैदी ही राम, लक्ष्मण, सीता समेत रामलीला के अन्य सभी पात्रों की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं अन्य कैदी बैठकर रामलीला के मनोरंजन का लुत्फ उठाते हैं। जेल के निगेटिव माहौल को आध्यात्मिकता से पॉजिटिव बनने के लिए जेल प्रशासन कई धार्मिक आयोजन करता है।

3 साल से हो रही है रामलीला

खबरों की मानें तो पिछले 3 सालों से यहां रामलीला कराई जा रही है। जेल अधीक्षक के मुताबिक सभी बंदी पूरे उत्साह से बढ़–चढ़कर रामलीला का मंचन करते हैं। खास बात ये है कि सिर्फ हिंदू ही नहीं बल्कि कुछ मुस्लिम कलाकार भी रामलीला में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं। जेल अधीक्षक ने इस बारे में बात करते हुए बताया कि सभी कैदी 1 महीने से रामलीला की तैयारी कर कर रहे हैं।

बदलेगा कैदियों का मन

साधु संत भी मानते हैं कि ये एक अच्छा प्रयास है। जेल में अलग–अलग गुनाहों की सजा काट रहे अपराधियों के बीच रामलीला को दर्शाना उनके हृदय परिवर्तन में सहायक होगा। वो भगवान राम के जीवन से प्रेरणा लेंगे। स्वामी रूपेंद्र प्रकाश ने बताया कि कब कोई व्यक्ति किस चीज से सबक लेकर बदल जाए, इसका नहीं पता होता। मुझे पूरा विश्वास है कि जेल में किए जा रहे प्रयासों से कैदी भी अपने जीवन में बदलाव लाएंगे।हरिद्वार की जिला जेल में भी रामलीला चल रही है। इस रामलीला की खासियत यह है कि इसमें किरदार निभाने वाले कलाकार कैदी ही है और इनमें अन्य धर्म के कैदी भी आगे बढ़कर भूमिका निभा रहे हैं। सभी कैदी रामलीला के लिए एक महीने पहले से प्रेक्टिस शुरू कर देते हैं। उनकी मेहनत का परिणाम रामलीला मंचन में देखने को मिलता है और जेल के बंदी पूरी श्रद्धा के साथ रामलीला को देखते है।

जरूरी खबरें

अयोध्या में 9 दिनों तक मांस–शराब की ब्रिकी पर बैन

यूपी में योगी सरकार ने नवरात्रि को लेकर अयोध्या में मांस और शराब की बिक्री पर रोक लगा दी है। योगी सरकार ने 3 से लेकर 11 अक्टूबर तक के लिए यह आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार जिले में मांस की बिक्री पर रोक रहेगी। अगर कोई दुकानदार इस दौरान मांस–शराब बेचता हुआ पाया जाएगा तो उस पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ इसको लेकर मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों से बातचीत कर समीक्षा बैठक की। बैठक में सीएम योगी ने निर्देश दिया कि सभी जिलाधिकारी जिले में पिछले वर्षों में त्योहारों के समय हुई हर घटना का आंकलन करें और ताकि नवरात्रि से लेकर पूरे त्योहारी माहौल में कभी भी अप्रिय घटना ना घटे।

खुले में मांस बिक्री पर लगाई रोक सीएम योगी ने त्योहारी सीजन में शांति का माहौल बनाए रखने के लिए खुले में मांस की ब्रिकी और अवैध स्लॉटर हाउस के संचालन पर रोक लगाई है। इसके अलावा धार्मिक स्थलों के आसपास भी मांस और मदिरा की दुकान ना हो। दुकाने भी तय अवधि में ही खुले।

सीएम योगी ने कहा कि शारदीय नवरात्रि के अवसर पर सभी स्थानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। ऐसे में आवश्यक जगहों पर पुलिस बल की तैनाती होनी चाहिए। मिर्जापुर का विंध्यवासिनी, सहानपुर का शाकंभरी मंदिर, वाराणसी में विशालाक्षी मंदिर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर प्रबंधन होना चाहिए।

10 मजदूरों की मौत, मिर्जापुर में भीषण सड़क हादसा

मर्जापुर :उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर में भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक तेज स्पीड से आए ट्रक ने मजदूरों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली को टक्कर मार दी। इस हादसे में 10 मजदूरों की मौत हो गई। जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को वाराणसी के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। हादसा भदोही के महाराजगंज और मिर्जापुर के कटका बॉर्डर पर हुआ है।

जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर पर कुल 13 लोग सवार थे। सभी मजदूर औराई के तिवरी गांव से ढलाई का काम कर वाराणसी में अपने घर लौट रहे थे। हादसे के बाद 10 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। इसके बाद नाराज लोगों को प्रशासन ने शांत कराया और देर रात हाईवे पर यातायात सुचारू करवाया जा सका।पुलिस ने बताया कि भदोही से बनारस जा रहे ट्रैक्टर–ट्रॉली को पीछे से आए बस ने टक्कर मार दी। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। इससे पहले ग्रामीण बचाव कार्य शुरू कर चुके थे। घायलों और मृतकों को हॉस्पिटल भेजा गया। मामले में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो ट्रैक्टर चालक को कुछ समझ पाता इससे पहले हादसा हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रॉली से उछल कर सड़क पर गिर गए। वहीं कुछ सड़क के पास बहकर नाले में चले गए।

यूपी पुलिस के पूर्व डीजीपी का बड़ा बयान, बोले– सरकार के दबाव में न करें फर्जी एनकाउंटर

कानपुर : उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी सुल्तान सिंह ने एनकाउंटर को लेकर यूपी पुलिसकर्मियों को बड़ी नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी फर्जी एनकाउंटर से बचकर रहें। उन्होंने कहा कि वह किसी के दबाव में एनकाउंटर न करें वरना उन्हें पछताना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि जो सरकारें और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अपने अधीनस्थों पर नाजायज दबाव डालकर फर्जी मुठभेड़ करवाते हैं, फंसने पर वो कोई मदद नहीं करते।

गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पूर्व डीजीपी सुल्तान सिंह ने एक पोस्ट किया। उन्होंने अपने इस पोस्ट में कहा कि प्रयागराज में फर्जी एनकाउंटर मामले में 12 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज हुई है। इससे पहले गाजीपुर के एक मामले में घटना के 22 साल बाद पुलिसकर्मियों को सजा सुनाई गई थी।

पुलिसकर्मियों को भुगतने पड़ते हैं नतीजे

आगे अपनी बात को स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि इसी तरह से सीतापुर की एक मुठभेड़ के मामले में घटना के 25 साल बाद पुलिसकर्मियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उनका कहना था कि फर्जी एनकाउंटर करने पर पुलिसकर्मियों को ही उसका नतीजा भुगतना पड़ता है। ऐसे में पुलिसकर्मी इससे बचें और किसी के साथ गलत न करें। बता दें सुलखान सिंह बीजेपी की सरकार में ही डीजीपी रहे थे, अब उनके इस बयान से पुलिस महकमें में हड़कंप मचा हुआ है। महकमें में लोग उनके बयान की चर्चा कर रहे हैं। वहीं, यूपी में सपा और कांग्रेस बीजेपी सरकार पर प्रदेश में बीते दिनों होने वाले एनकाउंटरों के मामलों पर पहले से ही हमलावर है।

प्रापॅर्टी विवाद में पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से काटा, फिर ट्रेन के सामने कूदा

कानपुर : दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां प्रापॅर्टी के विवाद में पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से काट दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी को मारने के बाद खुद ने ट्रेन से कटकर मरने की कोशिश की। फिलहाल युवक को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। यह घटना गुजैनी थाना क्षेत्र के पिपौरी गांव की है।

हत्या के बाद से ही इलाके में सनसनी फैल गई है। फिलहाल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। प्रॉपर्टी के विवाद में हत्या की बात सामने आ रही है। पिपौरी गांव निवासी प्रहलाद के परिवार में पत्नी शशि सैनी के अलावा दो बेटे सतेंद्र और आदित्य हैं। आदित्य अपनी पत्नी के साथ बाहर रहकर नौकरी करता है। जबकि बड़ा बेटा सतेंद्र और पूजा साथ में रहती हैं। पूजा ने बताया कि उसके ससुर पुराना घर बेचना चाहते हैं, जबकि मां उसे दोनों बेटों को देना चाहती थी।

संपादकीय

नक्सलियों का सफाया, केंद्र और राज्य सरकार प्रतिबद्ध

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ इलाके में 30 से अधिक नक्सलियों को मार गिराने में मिली सफलता इसका परिचायक है कि केंद्र और राज्य सरकार नक्सली संगठनों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता का परिचय इससे मिलता है कि छत्तीसगढ़ में इस वर्ष अब तक 180 से अधिक नक्सली मारे जा चुके हैं। यह संख्या इसलिए उल्लेखनीय है कि पिछले पांच वर्षों में दो सौ के करीब ही नक्सली मारे जा सके। इससे पता चलता है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आने के बाद से नक्सलियों के खिलाफ कहीं अधिक सख्ती का परिचय दिया जा रहा है।

वैसे तो पिछली कांग्रेस सरकार भी नक्सलियो के खिलाफ सक्रिय थी, लेकिन वह अक्सर ढुलमुल नजर आती थी और वह भी तब, जब नक्सलियो ने कांग्रेस के कई बड़े नेताओं को निशाना बनाया था। यदि नक्सलियो से निपटना है तो उनके प्रति सख्त रवैया अपनाना होगा और उन्हे यह संदेश भी देना होगा कि वे बंदूक के बल पर व्यवस्था परिवर्तन करने और संविधान एवं लोकतंत्र खत्म करने का मुगालता छोड़ दें।

वैसे तो पिछली कांग्रेस सरकार भी नक्सलियों के खिलाफ सक्रिय थी, लेकिन वह अक्सर ढुलमुल नजर आती थी और वह भी तब, जब नक्सलियों ने कांग्रेस के कई बड़े नेताओं को निशाना बनाया था। यदि नक्सलियों से निपटना है तो उनके प्रति सख्त रवैया अपनाना होगा और उन्हें यह संदेश भी देना होगा कि वे बंदूक के बल पर व्यवस्था परिवर्तन करने और संविधान एवं लोकतंत्र खत्म करने का मुगालता छोड़ दें। चूंकि नक्सली बार–बार के आग्रह के बाद भी हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने से इन्कार कर रहे हैं, इसलिए उनका दमन करने के अतिरिक्त और कोई उपाय नहीं। नक्सली नेता और उनके समर्थक भले ही यह झूठा प्रचार करें कि नक्सली संगठन गरीब आदिवासियों के हितों के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन सच यह है कि वे आतंक के बल पर उगाही करने वाले गिरोह में तब्दील हो गए हैं। तथ्य यह भी है कि वे जिन आदिवासियों के हितैषी होने का दिखावा करते हैं, उन्हें ही विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित करने का कुचक्ररचते हैं। वास्तव में वे निर्धन आदिवासियों के सबसे बड़े शोषक हैं।मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से नक्सली संगठनों के खिलाफ जो सख्ती दिखाई गई है, उसके चलते एक बड़ी हद तक उनकी कमर टूटी है। इतना ही नहीं, उनके दायरे को सीमित करने में भी सफलता मिली है। उन्हें पूरी तरह निष्प्रभावी करने का अभियान चलते रहना चाहिए, क्योंकि अतीत में यह देखने में आ चुका है कि सुरक्षा बलों के दबाव के चलते वे कुछ समय के लिए निष्क्रिय होकर फिर से अपनी ताकत जुटा लेते हैं। अब उन्हें फिर से संगठित और ताकतवर होने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए।

इसके लिए यह आवश्यक है कि छत्तीसगढ़ की तरह उसके पड़ोसी राज्य भी नक्सलियों का खात्मा करने के लिए कमर कसें और केंद्र सरकार के साथ पूरा सहयोग करें। ऐसा करके ही मार्च 2026 तक नक्सलियों का सफाया करने के लक्ष्य को पाया जा सकता है। अब जब नक्सलियों की ताकत घटती जा रही है, तब यह देखने की भी जरूरत है कि उन्हें आधुनिक हथियार कहां से मिल रहे हैं? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि गत दिवस मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों के पास से एके–47 जैसे हथियार मिले हैं।पूरी तरह निष्प्रभावी करने का अभियान चलते रहना चाहिए, क्योंकि अतीत में यह देखने में आ चुका है कि सुरक्षा बलों के दबाव के चलते वे कुछ समय के लिए निष्क्रिम होकर फिर से अपनी ताकत जुटा लेते हैं।

स्वच्छता की महत्ता, स्वास्थ्य के साथ समृद्धि की भी वाहक

बीते दस वर्षों में स्वच्छ भारत अभियान को जो सफलता मिली, वह उल्लेखनीय अवश्य है, लेकिन इस अभियान के समक्ष कई चुनौतियां अभी भी हैं। बतौर उदाहरण कचरे का निस्तारण अभी भी एक समस्या है। यह समस्या शहरी इलाकों में भी है और ग्रामीण इलाकों में भी।

आर.के. सिन्हा

बीते दस वर्षों में स्वच्छ भारत अभियान ने अपना एक प्रभाव छोड़ा है और लोगों को साफ–सफाई के प्रति जागरूक भी किया है। इस जागरूकता के चलते सार्वजनिक स्थलों को साफ–स्वच्छ रखने को लेकर लोगों में एक जिम्मेदारी का भाव भी आया है लेकिन इसके बाद भी यह ध्यान रहे तो अच्छा कि स्वच्छता अभियान को अभी लंबा सफर तय करना है।

स्वच्छ भारत अभियान के दस वर्ष होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि देश जितना साफ होगा, उतना ही चमकेगा। स्वच्छता स्वास्थ्य के साथ समृद्धि की भी वाहक है। स्वच्छता लोगों को गंदगी से पैदा होने वाली बीमारियों से बचाती है। इससे विभिन्न रोगों के उपचार में खर्च होने वाला पैसा बचता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह आंकड़ा स्वच्छ भारत अभियान की सफलता को बयान करता है कि 2014 से 2019 के बीच डायरिया आदि से होने वाली तीन लाख मौतों को रोका गया। इसी तरह हाल का एक अध्ययन यह बताता है कि इस अभियान के चलते प्रति वर्ष साठ से सत्तर हजार बच्चों की जान बचाने में सफलता मिली और शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अब आम तौर पर सार्वजनिक स्थलों में साफ–सफाई देखने को मिलती है।

बीते दस वर्षों में स्वच्छ भारत अभियान ने अपना एक प्रभाव छोड़ा है और लोगों को साफ–सफाई के प्रति जागरूक भी किया है। इस जागरूकता के चलते सार्वजनिक स्थलों को साफ–स्वच्छ रखने को लेकर लोगों में एक जिम्मेदारी का भाव भी आया है, लेकिन इसके बाद भी यह ध्यान रहे तो अच्छा कि स्वच्छता अभियान को अभी लंबा सफर तय करना है। स्पष्ट है कि सरकारों और उनकी नौकरशाही को यह देखना होगा कि यह सफर आसान कैसे हो और स्वच्छ भारत अभियान के लक्ष्य किस तरह पूरे हों।

निःसंदेह ये लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब समाज भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी का निर्वाह करेगा। उसे स्वच्छता के प्रति जागरूक होने के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए भी तत्पर रहना चाहिए। लोग जिस तरह अपने घर और आसपास साफ–सफाई रखना पसंद करते हैं, उस तरह सार्वजनिक स्थानों की सफाई के लिए तत्पर नहीं दिखते।

बीते दस वर्षों में स्वच्छ भारत अभियान को जो सफलता मिली, वह उल्लेखनीय अवश्य है, लेकिन इस अभियान के समक्ष कई चुनौतियां अभी भी हैं। बतौर उदाहरण कचरे का निस्तारण अभी भी एक समस्या है। यह समस्या शहरी इलाकों में भी है और ग्रामीण इलाकों में भी। इसका एक बड़ा कारण यह है कि स्थानीय निकाय स्वच्छता अभियान को समग्रता से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं। प्रतिबद्धता के इसी अभाव के चलते जिन शहरों में कचरे के पहाड़ खड़े हो गए हैं, उन्हें कम करने में सफलता नहीं मिल रही है।

समझना कठिन है कि आखिर स्वच्छता के मामले में जो कुछ इंदौर ने अर्जित किया, वह देश के अन्य शहर क्यों नहीं अर्जित कर सकते? इंदौर पिछले कई वर्षों से देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है तो इसके लिए वहां के स्थानीय निकाय के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ आम लोगों को भी श्रेय जाता है। आखिर इंदौर सारे देश के लिए उदाहरण क्यों नहीं बन पा रहा है? इस पर विचार करने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि भारत विकसित देशों जैसा साफ–स्वच्छ कैसे बने?

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

बिजनेस

मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा भंडार बनाए रखना जरूरी

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक नया मुकाम हासिल किया है, दरअसल भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। इसी के साथ भारत का विदेशी मुद्रा भंडार साल 2024 में 87.6 अरब डॉलर है। इस उपलब्धि पर भारतीय रिजर्व बैंक (फइक) के गवर्नर शक्तिकांत दास का बयान सामने आया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बाजार में उतार–चढ़ाव के दौरान अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए विदेशी मुद्रा भंडार बनाए रखना बहुत ही महत्वपूर्ण है।

फइक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि रिजर्व में पेमेंट्स सरप्लस बैलेंस में वृद्धि से समर्थित होता है, जिसमें कम करंट अकाउंट का लॉस भी मददगार है। अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारत के रिजर्व काफी मजबूत हैं। वही बाजोरिया और गुप्ता ने बताया कि हाल ही में डॉलर/रुपये की दर में उतार–चढ़ाव ने रुपये को सीमित बढ़त की गुंजाइश प्रदान की है। उच्च अस्थिरता के बावजूद, फइक रिजर्व जमा करने और करेंसी कम्पिटिटिवनेस बनाए रखने के अपने टारगेट को जारी रख सकता है।

एक्सटर्नल रिस्क के खिलाफ बफर आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 27 सितंबर को खत्म हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पहली बार 700 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया, जो रिकॉर्ड 705 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह भंडार, दुनिया में चौथा सबसे बड़ा भंडार है। इससे देश के शेयरों और बॉन्ड में विदेशी निवेश भी बढ़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (फइक) ने इन भंडारों का उपयोग रुपये को स्थिर करने के लिए किया है, ताकि मुद्रा में अत्यधिक उतार–चढ़ाव को रोका जा सके, जो रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब है। विश्लेषक राहुल बाजोरिया और अभय गुप्ता ने ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा कि केंद्रीय बैंक एक्सटर्नल रिस्क के खिलाफ बफर बनाने के लिए बड़े रिजर्व रखने में सहज प्रतीत होता है।करेंसी पॉलिसी में ढील देना

बैंक ऑफ अमेरिका का अनुमान है कि मार्च 2026 तक रिजर्व बढ़कर 745 बिलियन डॉलर हो सकता है, जिससे आरबीआई को अधिक लाभ मिलेगा। दुनियाभर के सभी सेंट्रल बैंक, जिनमें अमेरिकी फेडरल रिजर्व भी शामिल है, ने करेंसी पॉलिसी में ढील देना शुरू कर दिया है। ऐसे में फइकके सामने चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था ने लचीलापन दिखाया है, लेकिन आरबीआई अपने भविष्य के नीतिगत निर्णयों में सावधानी बरतेगा।

बैंक ऑफ अमेरिका का अनुमान है कि मार्च 2026 तक रिजर्व बढ़कर 745 बिलियन डॉलर हो सकता है, जिससे आरबीआई को अधिक लाभ मिलेगा। दुनियाभर के सभी सेंट्रल बैंक, जिनमें अमेरिकी फेडरल रिजर्व भी शामिल है, ने करेंसी पॉलिसी में ढील देना शुरू कर दिया है। चुनौतियां खड़ी हो गई हैं।

नौकरियों की भरमार! एक साल में 10 लाख युवाओं को मिला रोजगार

नई दिल्ली। भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र ने साल 2023 में 10 लाख से अधिक नौकरियां पैदा की हैं। भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार 2023 में अनुमानित 1.02 मिलियन (10.02 लाख) तक पहुंच गया है, जो एनर्जी सेक्टर में देश के बढ़ते नेतृत्व और आर्थिक विकास को गति देने वाली हरित नौकरियां बनाने पर इस सेक्टर के फोकस को उजागर करता है।

मोदी सरकार का कहना है कि भारत में नवीकरणीय क्षेत्र में हाइड्रोपावर सबसे बड़ा नियोक्ता है। इसने साल 2023 में लगभग 453,000 नौकरियां प्रदान कीं, जो कुल वैश्विक योगदान का 20 प्रतिशत है। चीन के बाद दूसरे नंबर पर हाइड्रोपावर ने सबसे ज्यादा नौकरियां दीं। था। सोलर पीवी सेक्टर ने ऑन–ग्रिड और ऑफ–ग्रिड दोनों फील्ड में लगभग 318600 लोगों को रोजगार दिया है। भारत साल 2023 में 9.7 गीगावॉट सोलर पीवी कैपेसिटी के साथ वैश्विक स्तर पर 5वें स्थान पर रहा और साल के आखिर तक यह क्षमता 72.7 गीगावॉट तक पहुंच गई।

अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (कफएठअ) के अनुसार, रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में मैनपॉवर साल 2023 में 2022 के 13.7 मिलियन से बढ़कर 16.2 मिलियन हो गया है। यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (क्छड) के सहयोग से विकसित की गई थी। जैसे–जैसे भारत में नवीकरणीय ऊर्जा का विकास होता रहेगा, इससे न केवल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि लाखों लोगों के लिए स्थायी आजीविका के साधन भी पैदा होंगे।

भारत की ऑपरेशनल मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग पावर साल 2023 में 46 गीगावॉट थी, जो साल 2024 में बढ़कर 58 गीगावॉट होने की उम्मीद है। सेल मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी साल 2023 में 26 गीगावॉट थी और 2024 में 32 गीगावॉट तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसा होने से भारत विश्व स्तर पर चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा ढश मैन्युफैक्चरर बन जाएगा। कफएठअ रिपोर्ट का अनुमान है कि 2023 में भारत में ग्रिड से जुड़े सोलर ढश में 238000 नौकरियां थीं, जो 2022 से 18 प्रतिशत ज्यादा है। लगभग 80000 लोगों ने ऑफ–ग्रिड सोलर सेक्टर में काम किया।

रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में भारत की पवन ऊर्जा क्षमता 44.7 गीगावॉट थी और इसके साथ भारत दुनिया में चौथे नंबर पर था, लेकिन साल 2023 में इसमें 2.8 गीगावॉट पावर और जुड़ गई, जो 5 साल की धीमी वृद्धि के बाद एक महत्वपूर्ण वृद्धि है।

नोएडा में प्रॉपर्टी के भाव में 69 प्रतिशत की तेजी, डिमांड बढ़ने से अंडर कंस्ट्रक्शन के रेट भी हाई

नई दिल्ली। नोएडा में प्रॉपर्टी के दामों में तेजी देखने को मिल रही है। इसकी एक बड़ी वजह मांग में वृद्धि है। नोएडा में प्रॉपर्टी की डिमांड में 15.72 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मैजिकब्रिक्स की हालिया रिपोर्ट के अनुसार सप्लाई में सालाना आधार 13.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नोएडा में डिमांड बढ़ने से आवासीय मकानों के दामों में भी 46.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एनसीआर में औसत आवासीय दर 11 हजार 625 रुपये प्रति वर्ग फुट है।

रिपोर्ट के अनुसार बिल्डर फ्लोर की औसत कीमत 3800 रुपये वर्ग फुट, मल्टीस्टोरी के लिए 10,100 रुपये प्रति वर्ग फुट, आवासीय घरों के लिए 17 हजार रुपये प्रति वर्ग फुट और शानदार विला के लिए 18,900 रुपये प्रति वर्ग फुट है। रिपोर्ट के अनुसार लोग परी चौक, दादरी मेन रोड और नोएडा 7 एक्स जैसे क्षेत्रों में घर खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

नोएडा की पहचान उनके सुनियोजित बुनियादी ढांचे की वजह से है। यहां पर आईटी पार्क, शैक्षणिक संस्थान और मनोरंजन सुविधाओं के कारण लोग प्रॉपर्टी खरीदकर रहना पसंद करते हैं। पिछले कुछ सालों में नोएडा में तेजी से शहरीकरण और विकास हुआ एनारॉक की रिपोर्ट की मानें तो दिल्ली–एनसीआर समेत देश के 7 प्रमुख शहरों में आवासीय संपत्ति की कीमतें सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़ी हैं। जुलाई–सितंबर में घरों की ब्रिकी 11 प्रतिशत घटकर 1 लाख 7 हजार 600 यूनिट रह गई।

कीमतों में अया 69 फीसदी का उछाल : इसके अलावा नोएडा के लोग अंडर कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टी में भी खरीदार दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इससे कीमतों में 69 फीसदी का उछाल आया है। ग्राहक–3 बेडरूम अपार्टमेंट को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। इसके अलावा 22 प्रतिशत खरीदार 2 बेडरूम वाले घर की तलाश भी कर रहे हैं। बता दें कि नोएडा यूपी के नियोजित तरीके से बसे शहरों में से एक है। यह एनसीआर का हिस्सा भी है और दिल्ली से सटा हुआ है।

नोएडा की पहचान उनके सुनियोजित बुनियादी ढांचे की वजह से है। यहां पर आईटी पार्क, शैक्षणिक संस्थान और मनोरंजन सुविधाओं के कारण लोग प्रॉपर्टी खरीदकर रहना पसंद करते हैं। पिछले कुछ सालों में नोएडा में तेजी से शहरीकरण और विकास हुआ।

एनारॉक की रिपोर्ट की मानें तो दिल्ली–एनसीआर समेत देश के 7 प्रमुख शहरों में आवासीय संपत्ति की कीमतें सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़ी हैं। जुलाई–सितंबर में घरों की ब्रिकी 11 प्रतिशत घटकर 1 लाख 7 हजार 600 यूनिट रह गई। बता दें टॉप 7 प्रमुख शहरों में नए घरों की आपूर्ति में 19 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

सब का सपना

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार, अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।

संपादक : अनुज कुमार
R.N.I. No. : UPHIN/2023/86483
मोबाइल नंबर
9456884327
E-Mail :-
Officialsabkasapna@gmail.com
www.sabkasapna.com

नोट– समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

35 साल बाद अपने घर में एशिया कप खेलेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली

एशिया क्रिकेट काउंसिल ने ऐलान कर दिया है कि अगले साल एशिया कप का आयोजन भारत में होगा। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका आगामी वनडे और टी-20 फॉर्मेट के मेजबान होंगे। इसके बाद बांग्लादेश 2027 में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जो वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसके बाद 2029 में पाकिस्तान टी-20 फॉर्मेट में, जबकि श्रीलंका 2031 में वनडे फॉर्मेट में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। एशिया कप के मीडिया राइट्स की नीलामी 2024 से 2031 तक आठ सालों के लिए की जाएगी।

इस टूर्नामेंट में भारत अपने सबसे दो अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली को मिस करेगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिससे दोनों ही खिलाड़ी संन्यास ले चुके हैं। बताया जा रहा है कि 2025 में दिसंबर महीने में इस टूर्नामेंट का आयोजन हो सकता है। एसीसी की तरफ से बताया गया है कि एशियाई टूर्नामेंट के हर एडीशन में 13 मैच होंगे।

जो टूर्नामेंट का फॉर्मेट है, उसके मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम दो निश्चित ग्रुप-स्टेज मैच होंगे। अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं तो टूर्नामेंट में तीसरी बार भी खेल सकती हैं। भारत ने 2023 में आखिरी बार पाकिस्तान संग दो बार मैच खेले थे

एसीसी ने यह भी बताया है कि इसी दौरान तीन महिला एशिया कप टूर्नामेंट भी आयोजित किए जाएंगे। एसीसी ने मीडिया राइट्स के लिए 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर का बेस प्राइज निर्धारित किया है। इसमें छह एसीसी टूर्नामेंट्स में से हर के ग्लोबल टेलीविजन, डिजिटल और ऑडियो राइट्स शामिल होंगे।

टीम इंडिया को लगा बड़ा झटका, इंजरी के चलते पूरी सीरीज से बाहर हुआ स्टार ऑलराउंडर

बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज के आगाज से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर शिवम दुबे पीठ की इंजरी की वजह से पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। शिवम की जगह पर टीम में तिलक वर्मा को शामिल किया गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टी-20 मुकाबला ग्वालियर में 6 अक्टूबर को खेला जाना है। शिवम का टीम से बाहर होना भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि स्टार ऑलराउंडर अकेले दम पर किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखता है।

शिवम दुबे बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज में खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे। शिवम पीठ की इंजरी की वजह से पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। शिवम की जगह पर टीम में तिलक वर्मा की एंट्री हुई है। शिवम श्रीलंका के खिलाफ जुलाई में खेली गई टी-20 सीरीज में टीम का हिस्सा रहे थे, लेकिन उनका बल्ले से प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था।

वहीं, टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में भी शिवम कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे। तिलक ने भारत की ओर से अपना आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला इस साल जुलाई में अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। मोहाली में खेले गए इस मुकाबले में तिलक ने 26 रन की पारी खेली थी।

भारत और बांग्लादेश के बीच टी-20 सीरीज का आगाज 6 अक्टूबर से होना है और सीरीज का पहला मुकाबला ग्वालियर में खेला जाना है। सीरीज का दूसरा मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

कानपुर टेस्ट तो सिर्फ ट्रेलर है', बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले पूर्व सिलेक्टर ने दी कंगारूओं को वॉर्निंग

इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) सीजन 2 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। टूर्नामेंट के चीफ सेलेक्टर और पूर्व बीसीसीआई चयनकर्ता जतिन परांजपे ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत के प्रदर्शन को लेकर बात की। बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान टीम इंडिया का एक नया अवतार देखने को मिला।

यहां रोहित शर्मा की कप्तानी और हेड कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में भारत ने बांग्लादेश को 2-0 से आसानी से मात दी। चेन्नई में खेले गए पहले मैच में मेजबान टीम ने 280 रनों से जीत दर्ज की, जहां ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन को 'मैन ऑफ द मैच' अवॉर्ड मिला। हालांकि दूसरे टेस्ट ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा, जहां भारत ने बारिश के चलते तीन दिन का खेल खराब होने के बाद भी मैच जीत लिया।

कानपुर टेस्ट के पहले दिन के दो सेशन का खेल बारिश की भेंट चढ़ गया था, साथ ही दूसरे और तीसरे दिन का खेल बिना गेंद खेले ही रद्द कर दिया गया।

हालांकि रोहित और उनकी टीम ने आक्रमक रुख अपनाया और पांचवें दिन सात विकेट से मैच अपने नाम किया। यह सीरीज अश्विन के योगदान के लिए यादगार रहेगी, जो 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' भी बने। पहले मैच में अश्विन ने शानदार शतक लगाया और पांच विकेट भी लिए। अश्विन की तारीफ करते हुए जतिन ने उनके प्रदर्शन की तुलना एक रोमांचक उपन्यास से की।

जतिन परांजपे ने कहा, 'अश्विन के बेस्ट तीन से पांच साल अभी बाकी हैं। उन्हें बैटिंग और बॉलिंग करते देखना बिल्कुल एक थ्रिलिंग नॉवेल पढ़ने जैसा है। आप अपनी सांस रोककर अगली गेंद का बेसब्री से इंतजार कर रहे होते हैं, ठीक वैसे ही जैसे आप किसी किताब का अगला पन्ना पढ़ने का इंतजार कर रहे होते हैं।' परांजपे ने आगे कहा कि कानपुर टेस्ट में भारत का प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज का बस ट्रेलर है।

पुरानी कमजोरी से ही उबर नही पाती हरमनप्रीत एंड कंपनी

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए टीम को टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। हरमनप्रीत एंड कंपनी से फैन्स को इस बार काफी उम्मीदें हैं। हालांकि, टीम इंडिया ने जिस तरह की शुरुआत टूर्नामेंट में की है, उसके बाद खतरे की घंटी बज गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम की वही कमजोरी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई, जिसके चलते हरमनप्रीत की सेना का हर बार वर्ल्ड कप जीतने का सपना अधूरा रह जाता है। पहले मैच में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों 58 रन से हार का मुंह देखना पड़ा। कीवी टीम के आगे भारत की बेटियां चारों खाने चित हो गईं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में भारतीय टीम 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए महज 101 रन बनाकर ढेर हो गई। हरमनप्रीत एंड कंपनी 20 ओवर पूरे भी नहीं खेल सकी। स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, हरमनप्रीत, ऋचा जैसी स्टार प्लेयर्स से सजा बैटिंग ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। हाल इस कदर बेहाल रहा कि टीम की छह बैटर दहाई का आंकड़ा तक पार नहीं कर सकीं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के बैटिंग ऑर्डर की अचानक से बिखर जाने की यह कहानी बड़ी पुरानी है। साल 2023 में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भी भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत की दहलीज पर खड़ी थी, लेकिन बल्लेबाजी क्रम ऐसा बिखरा कि चैंपियन बनने का सपना चकनाचूर हो गया। 2020 में तो टीम फाइनल तक पहुंच गई थी, पर बैटर्स द्वारा फिर वही कहानी दोहराई गई और टीम 99 रन पर ढेर हो गई। वनडे विश्व कप में भी भारतीय बैटिंग ऑर्डर का कुछ यही हाल रहा है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अगर टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब अपने नाम करना है, तो इस कमजोरी को जल्द से जल्द दूर करना होगा। इतिहास गवाह है कि पूरे टूर्नामेंट में टीम इंडिया दमदार खेल दिखाती है, लेकिन बड़े मैचों में हरमनप्रीत एंड कंपनी की यही कमजोरी बैटिंग ऑर्डर की पोल खोलकर रख देती है। टीम के साथ सबसे बड़ी दिक्कत यह रही है कि टीम गुच्छों में विकेट गंवाती है। एक बार अगर विकेट गिरने का सिलसिला चालू होता है, तो रुकने का नाम नहीं लेता है।

ऑस्ट्रेलिया ने बढ़ाई टीम इंडिया की टेंशन, पॉइंट्स टेबल में भारत का बुरा हाल

नई दिल्ली

महिला टी-20 वर्ल्ड कप का रोमांच बढ़ता जा रहा है। टूर्नामेंट मे शनिवार को दो मुकाबले खेले गए, जहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ने ना केवल शानदार अंदाज में जीत हासिल की, बल्कि पॉइंट्स टेबल में भी धमाका कर दिया। यहां ऑस्ट्रेलिया ने जहां श्रीलंका को छह विकेट से रौंदा, वहीं इंग्लैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ 21 रनों से जीत हासिल की।

बात करें टीम इंडिया की तो वह न्यूजीलैंड से पहला मुकाबला हारने के बाद मुश्किल में नजर आ रही है। टीम पांच टीमों के ग्रुप ए स्टेज के पॉइंट्स टेबल में सबसे आखिरी नंबर पर है। इस ग्रुप में न्यूजीलैंड पहले, ऑस्ट्रेलिया दूसरे जबकि पाकिस्तान तीसरे नंबर पर है। बात करें ग्रुप बी की तो यहां इंग्लैंड की टीम पहले नंबर पर है, जबकि साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश की टीम दूसरे और तीसरे नंबर पर है।

90-2 के स्कोर पर सबसे ज्यादा बार आउट होने वाले खिलाड़ी

नई दिल्ली

क्रिकेट में 90 के स्कोर पर पहुंचना किसी भी बल्लेबाज के लिए बेहद खास पल होता है। हर गेंद के साथ धड़कनें तेज हो जाती हैं, क्योंकि शतक बस कुछ ही रन दूर होता है। लेकिन सोचिए, जब खिलाड़ी शतक बनाने की उम्मीद करता है और तभी वह आउट हो जाए यह पल किसी बुरे सपने से कम नहीं होता। क्रिकेट इतिहास में कई महान खिलाड़ी इस दर्द से गुजरे हैं। कुछ नाम आपको हैरान कर सकते हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा बार 90 से 99 रन के बीच अपना विकेट गंवाया।

सचिन तेंदुलकर ने अपने लंबे करियर में कई बड़े स्कोर बनाए, लेकिन 28 बार वह 90-99 के बीच आउट हो गए। इतने करीब आकर शतक न बना पाना निराशाजनक होता है, लेकिन यह दिखाता है कि उन्होंने हमेशा टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है।

राहुल द्रविड़ राहुल द्रविड़ की बल्लेबाजी में धैर्य और तकनीक की झलक मिलती है। 14 बार वह 90 के आसपास आउट हो गए, जो बताता है कि वह हमेशा टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाते थे, लेकिन कुछ मौके ऐसे थे जब वह शतक से चूक गए।

एबी डी विलियर्स : एबी डी विलियर्स अपनी तेजतर्रार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। 484 पारियों में वह 14 बार 90-99 के बीच रन बनाकर आउट हुए, जो यह दिखाता है कि बड़े स्कोर की स्थिति में भी वे कभी-कभी शतक से चूक जाते थे।

केन विलियमसन केन विलियमसन न्यूजीलैंड के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। 427 पारियों में 14 बार 90 के बाद आउट हो जाना यह दर्शाता है कि उन्होंने कई बार बड़े स्कोर की नींव रखी, लेकिन शतक बनाने से पहले आउट हो गए।

जैक्स कैलिस

जैक्स कैलिस एक बेहतरीन ऑलराउंडर थे। वे 13 बार 90-99 के बीच रन बनाकर आउट हो गए। उनके पास गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में खास महारत थी, लेकिन कई बार शतक के करीब पहुंचकर आउट हो जाते थे।

रिकी पोंटिंग रिकी पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया के लिए कई शानदार पारियां खेलीं, लेकिन 13 बार 90 से ज्यादा रन बनाकर आउट हो गए। उनकी आक्रमक बल्लेबाजी के कारण कई बार शतक के करीब पहुंचकर भी वह शतक नहीं बना पाए।

इंजमाम-उल-हक इंजमाम-उल-हक पाकिस्तान के बेहतरीन बल्लेबाज थे। वे 12 बार 90-99 रन के बीच में आउट हुए। उनकी बल्लेबाजी की शैली धीमी और स्थिर थी, लेकिन कई बार शतक से पहले ही आउट हो जाते थे।

जरूरी खबरें

अमेरिका में गरजा सुरेश रैना का बल्ला, ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से ठोके 42 रन

भले ही सुरेश रैना ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो, लेकिन वह बल्ले से धमाल मचाने का हुनर बिल्कुल नहीं भूले हैं। अमेरिका की धरती पर खेले जा रहे नेशनल क्रिकेट लीग टी-10 टूर्नामेंट में रैना ने विस्फोटक पारी खेली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने सिर्फ 28 गेंदों पर 53 रन ठोके। रैना ने शाकिब अल हसन की जमकर खबर ली और उनके एक ही ओवर में दो छक्के और एक चौका जमाया।

सुरेश रैना शुरुआत से ही लय में दिखाई दिए और उन्होंने क्रीज पर आते के साथ ही चौके-छक्कों की बरसात कर दी। रैना के बल्ले से 28 गेंदों पर 53 रन निकले। इस दौरान पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने तीन छक्के और छह चौके लगाए। यानी रैना ने 9 गेंदों में 42 रन सिर्फ चौके-छक्कों से बटोरे। रैना को दूसरे छोर से उपुल थरंगा का भी अच्छा साथ मिला। थरंगा ने 23 गेंदों पर 40 रन की तेज तर्रार पारी खेली, जिसके दम पर न्यूयॉर्क लायंस की टीम 10 ओवर में स्कोर बोर्ड पर 126 रन लगाने में सफल रही।

रैना ने शाकिब अल हसन को आड़े हाथों लिया और उनके एक ही ओवर से 18 रन बटोरे। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने शाकिब के ओवर में दो गगनचुंबी छक्के जमाए और वह एक बाउंड्री भी आर्जित करने में सफल रहे। रैना ने शाकिब की इस कदर धुनाई की वह मैच में इसके बाद गेंदबाजी करते हुए दिखाई नहीं दिए।रैना की धांसू पारी के दम पर न्यूयॉर्क लायंस सीसी की टीम लॉस एंजिल्स वेव्स सीसी के खिलाफ आसान जीत दर्ज करने में कामयाब रही। 127 के जवाब में लॉस एंजिल्स वेव्स की टीम 7 विकेट खोकर 107 रन ही बना सकी। टीम की ओर से एडम रॉसिंगटन ने सर्वाधिक 31 रन की पारी खेली। गेंद से फ्लॉप रहने के बाद शाकिब बल्ले से भी कुछ खास कमाल नही दिखा सके और 16 गेंदों में महज 13 रन ही बना सके।

मयंक यादव को लेकर हुई गूगल से बड़ी चूक, लखनऊसुपर जायंट्स का हुआ 'मूड खराब'; ट्वीट कर किया ट्रोल

भारतीय टीम : यूं तो गूगल के पास हर सवाल का जवाब होता है और वह कई मुश्किलों का हल चुटकियों में कर देता है। मगर कभी सोचा है कि दुनियाभर को जानकारी देने वाला गूगल भी गलती कर सकता है? अब अगर आप भी सोचते हैं कि ऐसा नहीं हो सकता है, तो यह खबर आपके लिए ही है। दरअसल, गूगल ने टीम इंडिया के उभरते हुए तेज गेंदबाज मयंक यादव को लेकर बड़ी चूक कर दी है, जिससे लखनऊसुपर जायंट्स टीम का मूड बेहद खराब हो गया है। लखनऊ ने अपने एक्स अकाउंट पर गूगल की गलती को हाईलाइट करते हुए नाराजगी जाहिर की है।

दरअसल, लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने एक्स अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें गूगल ने अपने सर्च रिजल्ट में मयंक यादव को मध्यम गति का तेज गेंदबाज बताया है। अब गूगल की यह चूक लखनऊटीम को पसंद नहीं आई है। दरअसल, हर तरफ मयंक के नाम का जिक्रही इसलिए है, क्योंकि वह गोली की रफ्तार से गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते हैं।

आईपीएल 2024 में मयंक 156.7 की स्पीड से गेंद फेंककर पहली बार सुर्खियों में आए थे। यही वजह है कि मयंक को मीडियम पेस बॉलर बताए जाने से लखनऊटीम खफा है। उन्होंने मयंक के गूगल रिजल्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, तौबा-तौबा सारा मूड खराब कर दिया गूगल।

मयंक यादव को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।

मैदान पर जब खेला गया खूनी खेल, बल्लेबाजों की जान के भूखे थे गेंदबाज

1976 का साल। यह वो दौर था, जब कैरेबियाई गेंदबाजों की रफ्तार से दुनियाभर के बल्लेबाज कांपते थे। वेस्टइंडीज के फास्ट बॉलर्स को मौत का सौदागर कहा जाता था। हाथ से गेंदें नहीं, बल्कि आग का गोला निकलता था। बल्लेबाज अपना विकेट बचाने से ज्यादा ध्यान अपनी शरीर को बचाने में देते थे। क्लाइव लॉयड की कप्तानी में वेस्टइंडीज का विश्व क्रिकेट में अलग ही दबदबा था। दुनिया की हर बड़ी टीम लॉयड की सेना के आगे घुटने टेक देती थी। इसी समय पर भारतीय टीम वेस्टइंडीज से दो-दो हाथ करने के लिए उनकी सरजमीं पर पहुंची थी।

<पहला टेस्ट गंवाने के बाद टीम इंडिया ने तीसरे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए कैरेबियाई टीम को धूल चटा दी थी। अब बारी थी चौथे और आखिरी टेस्ट मैच की। कप्तान क्लाइव लॉयड और कैरेबियाई टीम इस हार को पचा नहीं पा रही थी। ऐसे में सीरीज को जीतने के लिए वेस्टइंडीज के बॉलर्स ने जानलेवा प्लान तैयार किया और भारत के बल्लेबाजों के शरीर पर अनगित वार किए। हाल यह हुआ कि तीन इंडियन बैटर्स को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा और जो बच गए उन्होंने बैटिंग करने से ही मना कर दिया।

चौथे टेस्ट की शुरुआत सुनील गावस्कर और अंशुमन गायकवाड़ ने शानदार की और पहले विकेट के लिए 136 रन जोड़े। टेस्ट का पहला दिन भारत के नाम रहा और सिर्फ एक विकेट खोकर टीम इंडिया ने 175 रन बनाए। हालांकि, इसके बाद बचे हुए दिनों में भारतीय बल्लेबाजों को जो हश्र हुआ, वो रूह कांपा देने वाला था।

10 या 11 अक्टूबर, किस दिन कन्या पूजन करना रहेगा शुभ?

जानें सही तिथि और शुभ मुहूर्त

सनातन धर्म के प्रमुख पर्व शारदीय नवरात्रि का आरंभ हो गया है। नवरात्रि का महोत्सव 9 दिनों तक चलता है, जिस दौरान माता दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि में पूजा-पाठ करने के साथ-साथ व्रत रखना भी शुभ माना जाता है। नवरात्रि में आने वाली अष्टमी और नवमी तिथि के दिन कन्या पूजन किया जाता है। जहां कुछ लोग अष्टमी तिथि के दिन माता दुर्गा की पूजा करने के बाद कन्या पूजन करते हैं, तो कुछ लोग नवमी की पूजा के बाद कन्या पूजन करते हैं। देश के कई राज्यों में कन्या पूजन को कुमारिका पूजन, कंजक और कन्या पूजा के नाम से भी जाना जाता है। चलिए जानते हैं इस साल कन्या पूजन किस दिन करना शुभ रहेगा।

कन्या पूजन का महत्व

कन्या पूजन के लिए घर में पूरी, छोले, चना और हलवा बनाया जाता है। 2 से 8 साल की 7 या 11 कन्याओं और एक लड़के को घर बुलाया जाता है। सभी कन्याओं की पूजा की जाती है। आदरपूर्वक उन्हें भोजन कराया जाता है।

अंत में हर एक कन्या को धन व उपहार देकर विदा किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कन्याओं को माता दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। इसी वजह से नवरात्रि के अंतिम दिन कन्या पूजन करके माता दुर्गा को प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है। इससे माता का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

कन्या पूजन कब है?

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार शारदीय नवरात्रि की अष्टमी तिथि 10 अक्टूबर 2024 को दोपहर 12:31 मिनट से शुरू हो रही है, जो 11 अक्टूबर 2024 को दोपहर 12 बजकर 06 मिनट तक रहेगी। 11 अक्टूबर 2024 को जैसे ही अष्टमी तिथि का समापन होगा, वैसे ही नवमी तिथि का आरंभ हो जाएगा। नवमी तिथि का समापन 12 अक्टूबर 2024 को सुबह 10 बजकर 57 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर इस साल शारदीय नवरात्रि की अष्टमी और नवमी तिथि का व्रत 11 अक्टूबर को एक दिन ही रखा जाएगा, जिस दिन कन्या पूजन करना भी शुभ रहेगा। 11 अक्टूबर 2024 को सुबह 10:41 से पहले कन्या पूजन करने का शुभ मुहूर्त है, जिसके बाद दोपहर 12:08 मिनट तक राहुकाल रहेगा।

कन्या पूजा के दिन प्रातः काल जल्दी उठें।
स्नान आदि कार्य करने के बाद शुद्ध वस्त्र धारण करें।
माता दुर्गा की पूजा करने के बाद व्रत और कन्या पूजन करने का संकल्प लें।
कन्या पूजा के लिए घर में अपने हाथों से चना, पूरी, हलवा और छोले बनाएं।
इन सभी चीजों का भोग सबसे पहले माता रानी को लगाएं।
उसके बाद घर आई कन्याओं के साफ पानी से पैर धोएं।
कन्याओं को टीका लगाएं और उनके हाथ पर रक्षा सूत्र बाधें।
कन्याओं को प्रसाद खिलाएं।
अपनी क्षमता अनुसार सभी कन्याओं को पैसे या गिफ्ट जरूर दें।

डायबिटीज पेशेंट्स नवरात्रि व्रत में रहें फिट, डाइट में शामिल करें ये 3 चीजें

साल 2024 के शारदीय नवरात्रि का आरंभ हो चुका है। आज से लोग 9 दिन के उपवास का पालन करेंगे। अपने देश में लोग बीमार होने के बावजूद भी व्रत रखते हैं। व्रत रखना डायबिटीज मरीजों के लिए सही नहीं माना जाता है क्योंकि इन लोगों को ज्यादा देर तक भूखे रहने से मना किया जाता है। ऐसा करने से इनके शरीर में ब्लड शुगर लेवल का स्तर बढ़ सकता है। इन लोगों को नवरात्रि पर व्रत रखने से पहले कुछ खास बातों का ख्याल रखना जरूरी है। चलिए, आपको नवरात्रि में फिट रहने के साथ-साथ व्रत पालन के लिए कुछ टिप्स बताते हैं, जिसमें आपको व्रत कैसे रखना है, क्या खाना है और किन चीजों से परहेज करना है, ये सभी बातें शामिल हैं।

डायबिटीज में उपवास कैसे रखें?

डायबिटीज के मरीजों को उपवास रखने से पहले अपने शुगर लेवल की जांच करनी चाहिए। ये लोग पूरे दिन भूखे नहीं रह सकते हैं इसलिए इन्हें अपनी डाइट में हेल्दी चीजों को शामिल करना चाहिए। इन्हें व्रत खोलने के बाद कभी भी तुरंत मीठी चीजें नही खानी चाहिए। इन्हें खाली पेट फल भी नहीं खाने चाहिए, जो कि अमूमन व्रत में लोग करते हैं। इन्हें बिना पानी पिएं भी ज्यादा देर नहीं रहना चाहिए।

डायबिटीज के मरीज व्रत में क्या खाएं? नवरात्रि के व्रत में खाई जाने वाली चीजों में ऐसे कई हेल्दी फूड आइटम्स शामिल हैं जो डायबिटीज मरीजों को पूरा दिन एनर्जी देंगे और शुगर लेवल को भी नियंत्रित रखेंगे। इन्हें थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ न कुछ खाना ही है, ये लोग ग्लाइसोमिक इंडेक्स युक्त चीजों को खा सकते हैं, जैसे- मूंगफली, दही, छाछ। नवरात्रि में खाया जाने वाला फूड आइटम कुट्टू का आटा, लौकी की सब्जी और समा के चावल, डायबिटीज मरीजों की सेहत के लिए ये सभी चीजें बहुत लाभदायक होती हैं। कुट्टू का आटा कार्बोहाइड्रेट्स से भरपूर होता है। समा के चावलों की खिचड़ी खाना इनके लिए फायदेमंद रहेगा। ये लोग इन 3 चीजों को खा सकते हैं।

कुट्टू के आटे से बनी रोटियां।

बिना प्याज-लहसुन की पनीर भुर्जी।

समा के चावल के पुलाव।

इसके अलावा सिंघाड़े का आटा और लौकी-कद्दू जैसी सब्जियां भी इनके लिए फायदेमंद रहेंगी।

डायबिटीज में क्या खाने से परहेज करना चाहिए?

डायबिटीज में व्रत में खाए जाने वाले अनाज फायदेमंद है लेकिन अगर आप इन्हीं चीजों को तल कर खाएंगे तो सेहत बिगड़ सकती है। जैसे कुट्टू के आटे की पकौड़ियां और समा के चावलों की खीर। इन लोगों को व्रत में 200 ग्राम से ज्यादा फल नहीं खाने चाहिए।

अपने देश में लोग बीमार होने के बावजूद भी व्रत रखते हैं। व्रत रखना डायबिटीज मरीजों के लिए सही नहीं माना जाता है क्योंकि इन लोगों को ज्यादा देर तक भूखे रहने से मना किया जाता है। ऐसा करने से इनके शरीर में ब्लड शुगर लेवल का स्तर बढ़ सकता है। इन लोगों को नवरात्रि पर व्रत रखने से पहले कुछ खास बातों का ख्याल रखना जरूरी है। चलिए, आपको नवरात्रि में फिट रहने के साथ-साथ व्रत पालन के लिए कुछ टिप्स बताते हैं, जिसमें आपको व्रत कैसे रखना है, क्या खाना है और किन चीजों से परहेज करना है, ये सभी बातें शामिल हैं।

मां काली कैसे बनी महाकाली?

नवरात्रि में देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। देवी दुर्गा को माता पार्वती का ही रूप माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि क्रोध के कारण माता काली उतपन्न हुई थीं। इसी कारण उनके शरीर का रंग काला है। चलिए जानते हैं मां काली कैसे बनीं महाकाली?

पौराणिक कथा

पौराणिक काल में रक्तबीज नाम का एक असुर हुआ करता था। वह भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान शिव की घोर तपस्या करके वरदान पाया था। उसे वरदान मिला था कि उसके रक्त की जितनी बूंदें धरती पर गिरेंगी, उतने ही बलशाली असुर उत्पन्न हो जाएंगे। भगवान शिव से वरदान मिलने के बाद वह ऋषि-मुनियों पर अत्याचार करने लगा। फिर ऋषि-मुनियों ने देवताओं से रक्षा करने की विनती की।

रक्तबीज और देवताओं का युद्ध

ऋषि-मुनियों की रक्षा के लिए देवताओं ने रक्तबीज को युद्ध के लिए ललकारा। रक्तबीज भी युद्ध करने आ पहुंचा। युद्ध में रक्तबीज के शरीर से खून की गिरने वाली सभी बूंदें रक्तबीज के जैसे ही बलशाली असुर बन जाते। काफी समय तक युद्ध करने के बाद भी देवतागण उसे युद्ध में मार नहीं पाए। अंत में देवताओं को रक्तबीज ने हरा दिया और देवलोक को अपने अधिकार में कर लिया। इसके बाद सभी देवता शिवजी के पास पहुंचे। सभी ने भगवान शिव से रक्षा करने की प्रार्थना की।

माता काली की उत्पत्ति

उस समय देवी पार्वती भी शिव जी के साथ ही मौजूद थी। देवताओं की बातें सुनकर वह क्रोध से लाल हो गईं। तब उनके शरीर से माता काली की उत्पत्ति हुई। फिर देवी काली रक्तबीज से युद्ध करने निकल पड़ीं। युद्ध के मैदान में देवी काली ने अपने जीभ को काफी बड़ा कर लिया। उसके बाद रक्तबीज के शरीर से जो भी रक्त की बूंदें गिरती, माता काली उस से उत्पन्न होने वाले असुरों को निगल जाती। इस तरह जब रक्तबीज का शरीर रक्त विहीन हो गया तो माता काली ने उसका भी अंत कर दिया।

महाकाली बनीं मां काली

रक्तबीज के वध के बाद भी मां काली का क्रोध शांत नहीं हो रहा था। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वह तीनों लोकों को निगल जाएंगी। देवी के रूप को देखकर सारे देवता इधर-उधर भागने लगे। तब भगवान शिव उनके रास्ते में लेट गए। क्रोध में ही देवी काली ने भगवान शिव की छाती पर अपना पैर रख दिया। इसके बाद देवी काली का क्रोध शांत हुआ।

राजा के चिता पर बना एक अनोखा मंदिर

बिहार के दरभंगा जिले में माता काली का एक मंदिर है। यह मंदिर रामेश्वरी श्यामा माई मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि दरभंगा महाराज रामेश्वर सिंह माता काली के बहुत बड़े भक्त हुआ करते थे। जब उनकी मृत्यु हो गई तो यहीं उनका अंतिम संस्कार किया गया था। बाद में उस स्थान पर माता काली को समर्पित एक मंदिर का निर्माण करवाया गया। इस मंदिर का वर्णन मिथिला रामायण में भी पढ़ने को मिलता है।

कहां है ये अनोखा मंदिर?

यह मंदिर दरभंगा के यूनिवर्सिटी कैंपस में स्थित है। यहां रोज हजारों की संख्या में माता का दर्शन करने आते हैं। लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि नवरात्रि के दौरान यहां जो भी भक्त माता की पूजा अर्चना करता है, उसकी सारी मुरादें पूरी हो जाती है। यहां सदियों से माता को पशु की बलि दी जाती है। ऐसी मान्यता है कि माता पशुबलि से प्रसन्न होती हैं और भक्तों के सारे कष्ट दूर कर देती हैं। यह मंदिर पहले तंत्र साधना के लिए भी प्रसिद्ध हुआ करता था। लेकिन बाद में यहां तंत्र साधना को वर्जित कर दिया गया।

चिता पर बना है ये मंदिर

इतिहासकारों का मानना है कि मां काली को समर्पित यह मंदिर महाराजा रामेश्वर सिंह की चिता पर बनाया गया है। उस समय यह स्थान श्मशान भूमि हुआ करता था। इस श्मशान भूमि में दरभंगा राजघराने के लोगों का मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार किया जाता था। सबसे हैरानी की बात यह है कि शास्त्रों में श्मशान घाट में कोई भी शुभ काम करना वर्जित बताया गया है, लेकिन इस मंदिर में शादी, मुंडन और उपनयन जैसे शुभ कार्य सालों भर होते हैं।

श्यामा माई से जुड़ी कथा

दरभंगा स्थित श्यामा माई मंदिर का वर्णन मिथिला रामायण में पढ़ने को मिलता है। मिथिला रामायण में बताया गया है कि सहस्त्रानन रावण का बड़ा भाई था। रावण वध के पश्चात माता सीता ने प्रभु श्री राम से कहा, स्वामी अभी ये युद्ध समाप्त नहीं हुआ है। जब तक आप सहस्त्रानन का वध नहीं कर देते तब तक आप विजेता नहीं हो सकते। माता सीता के कहने पर श्री राम सहस्त्रानन से युद्ध करने निकल पड़ते हैं। युद्ध में सहस्त्रानन के बाण से प्रभु श्री राम घायल हो जाते हैं। यह देख माता सीता क्रोधित होकर सहस्त्रानन का अंत कर देती है।

मिथिला रामायण में बताया गया है कि क्रोध से माता सीता का रंग काला हो गया था। सहस्त्रानन के वध के बाद भी जब सीता जी का क्रोध शांत नहीं हुआ तो, भगवान शिव उनके पास आते हैं और उन्हें शांत होने को कहते हैं। परन्तु माता सीता काली रूप में भगवान शिव के सीने पर अपना पैर रख देती हैं। इसके बाद माता सीता शांत हो जाती है। माता सीता के इसी रूप की पूजा दरभंगा के श्यामा माई मंदिर में की जाती है।

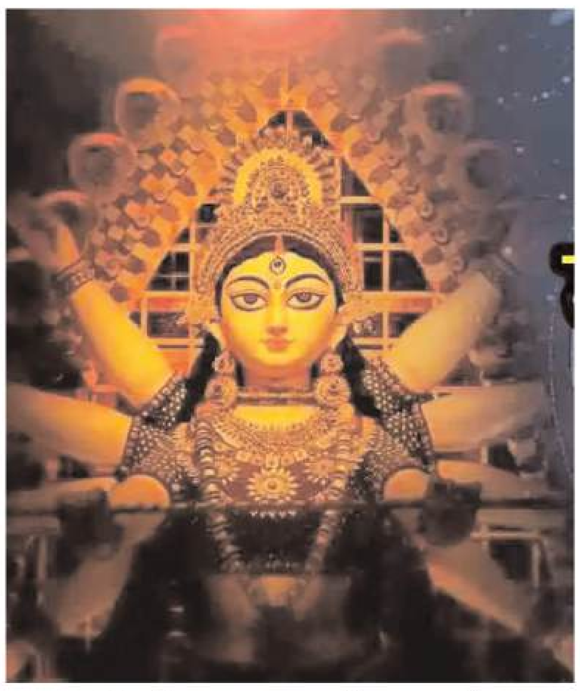

नवरात्रि में महाअष्टमी पर बने दुर्लभ संयोग, चमकेगी 5 राशियों की किस्मत धान्य से भर देंगी घर!

भक्ति और आस्था का महापर्व नवरात्रि इस साल 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस बार शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी 11 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इस दिन मां दुर्गा के आठवें दिव्य स्वरूप मां महागौरी की पूजा का विधान है। सनातन पंचांग के अनुसार, इस साल की महाअष्टमी बहुत विशेष है। इस दिन शुक्रवार है, जो देवी आराधना का विशेष दिन होता है। साथ ही इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग का शुभ संयोग बन रहा है।

जहां तक ग्रह-गोचर की बात है, तो इस दिन तुला राशि में वैभव के दाता शुक्र और वाणी-व्यापार के स्वामी बुध आपस में युति कर बेहद शुभ 'लक्ष्मी नारायण योग' का निर्माण कर रहे हैं। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक, यह बेहद दुर्लभ संयोग है, जो 50 साल बाद बन रहा है। इन योग और संयोग का सभी राशियों पर सकारात्मक असर होने के योग हैं, लेकिन महाअष्टमी पर बना यह संयोग 5 राशियों के जातकों लिए बेहद शुभ साबित हो सकता है। आइए जानते हैं, ये 5 लकी राशियां कौन-सी हैं?

महाअष्टमी पर बने दुर्लभ संयोग का राशियों पर असर

मेष राशि

महाष्टमी पर बने शुभ योग से मेष राशि के जातकों को काफी लाभ हो सकता है। कारोबार की उन्नति से लाभ होगा। व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं। आय में वृद्धि होगी। धन लाभ के नए स्रोत खुलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। स्टूडेंट्स को शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। टीचर लोगों की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मिथुन राशि

देवी मां की कृपा से व्यापार में स्थिरता आएगी। कंपनी के लाभ मार्जिन में इजाफा होगा। नौकरी में मान-सम्मान मिलेगा। धन लाभ होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्टूडेंट जातकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। मैरिड लाइफ में पार्टनर से गिफ्ट मिलेगा। रिलेशनशिप में रिश्ते मधुर रहेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य का साथ प्राप्त होगा।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों के लिए यह समय लाभकारी साबित होगा। व्यापार में विस्तार होने से लाभ का मार्जिन बढ़ेगा। अच्छी मार्केटिंग करने से आय में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। किसी सीनियर की मदद से बढ़िया धन लाभ होगा। प्रेम जीवन में खुशियां आएंगी। संबंध मधुर होंगे, नजदीकियां बढ़ेंगी। विद्यार्थियों को रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्राओं पर जाने के योग बन रहे हैं। मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी।

मकर राशि

मकर राशि के जातकों को उनके उचित कामों और मेहनत का फल मिलेगा। आपको व्यापार में लाभ होगा। साझेदारी के बिजनेस में भी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में स्थिरता आएगी। धन आमद के नए स्रोत बनने से धन लाभ होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। आपकी धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट वर्क करने में सफलता मिलेगी। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मीन राशि

माता रानी की कृपा से मीन राशि के जातकों के जीवन में काफी सकारात्मक बदलाव आएंगे। व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

दुर्गा पूजा में इन 5 पक्षियों का दिखना है बेहद शुभ, देवी मां देती हैं सौभाग्य

हिन्दू धर्म में दुर्गा पूजा शक्ति पूजा का प्रमुख त्योहार है, जिसमें देवी दुर्गा और उनके 9 रूपों की पूजा की जाती है। सदियों से इस त्योहार के दौरान कई शुभ संकेतों पर ध्यान दिया जाता है, जिनमें से एक है पक्षियों का दिखना। मान्यता है कि कुछ विशेष पक्षियों का दिखना दुर्गा पूजा के दौरान शुभ संकेत देता है। बता दें कि हिंदू धर्म में पक्षियों को देवी-देवताओं का दूत माना गया है।

साथ ही ये प्रकृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कहा जाता है कि दुर्गा पूजा के दौरान 5 पक्षियों का दिखना हमें सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। इनके दर्शन मात्र से सुख, समृद्धि और सौभाग्य में वृद्धि होती है। आइए जानते हैं, ये 5 पक्षी कौन-कौन से हैं?

दुर्गा पूजा में इन पक्षियों का दिखना है बेहद शुभ

खंजन

खंजन पक्षी को प्रेम, रोमांस और सौहार्द का प्रतीक माना जाता है। अपनी सुंदरता और चंचलता के कारण ये अनेक कहानियों और लोककथाओं का हिस्सा रहे हैं। खंजन पक्षी को अक्सर प्रेम और का प्रतीक माना जाता है। इसकी जोड़ीदार के साथ मधुर संबंधों को देखकर लोग प्रेम और विश्वास की प्रेरणा लेते हैं। दुर्गा पूजा के दौरान खंजन पक्षी का दिखना यह संकेत देता है कि घर में प्रेम और खुशहाली आएगी।

पंडुकी

सदियों से कबूतर की तरह दिखने वाले पंडुकी पक्षी को बुद्धि और विवेक का प्रतीक माना जाता है। यह पक्षी विवेकपूर्ण निर्णय लेने में मदद करता है। घर में इस पक्षी का आना परिवार के सदस्यों को विवेकपूर्ण निर्णय लेने में सहायता करता है। नवरात्रि में इस पक्षी का दिखना यह संकेत देता है कि घर में बुद्धि और विवेक का विकास होगा।

मैना

नवरात्रि के दौरान मैना पक्षी को मां पार्वती की मां मैनावती का प्रतीक माना जाता है। इस पक्षी को मधुर वाणी और संदेशवाहक का प्रतीक माना जाता है। इस पक्षी का दिखना यह संकेत देता है कि घर में खुशखबरी आने का सिलसिला कभी रुकने वाला नहीं है।

मोर

मोर पक्षी को हजारों सालों से सौंदर्य और शौर्य का प्रतीक माना जाता है। यह मां दुर्गा के पुत्र और देवताओं के सेनापति भगवान कार्तिकेय वाहन है। दुर्गा पूजा के दौरान मोर का दिखना यह संकेत देता है कि घर में सुख-समृद्धि आएगी, बुरी नजर से रक्षा होगी और बच्चों में साहस और नेतृत्व का विकास होगा।

नीलकंठ

दुर्गा पूजा के दौरान, विशेषकर विजयादशमी के दिन, नीलकंठ पक्षी को शिद्दत से खोज कर देखा जाता है। मान्यता है कि दशहरा के दिन इसे देखने से सभी ग्रह कट जाते हैं और हर प्रकार के काम में सफलता मिलती है। इस पक्षी को भगवान शिव का वाहन माना जाता है। इस पक्षी का दिखना यह संकेत देता है कि मां दुर्गा समेत भगवान शिव की कृपा घर पर होगी।